# *विरोध का बीज*

आज रात्री को मैंने छोटा सा मूल पाठ या थोड़ा सा पढ़ने के लिए चुना है, प्रभु ने चाहा तो, वह हमें इसका प्रसंग देगा, संत मत्ती 13:24 से 30 तक। और तब मैं—मैं 36 से 40 तक भी पढ़ना चाहता हूं, अभी कुछ ही क्षणों में। अब संत मत्ती, 13वां अध्याय, 24 वे पद से आरम्भ करके, मत्ती के 13वें अध्याय से। वचन पढ़े जाने को ध्यान से सुनिए। मेरे वचन असफल हो जाएंगे, परन्तु उसके नहीं होगे।

> *उसने उन्हें एक और दृष्टांत दिया, कहते हुए, स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है, जिसने अपने खेत में अच्छा बीज बोया:*
>
> *पर जब वो सो रहा था, तो* उसका *बैरी आकर गेहूं के बीच जंगली बीज बो कर चला गया।*
>
> *परन्तु जब अंकुर निकले, और बाले लगी, तो जंगली दाने भी दिखाई दिए।*
>
> *इस पर गृहस्थ के दासों ने उससे आकर और कहा, हे स्वामी, क्या तू ने अपने खेत में अच्छा बीज ना बोया था? फिर जंगली दाने के पौधे उस में कहाँ से आये?*
>
> और *उस ने उन से कहा, यह किसी बैरी का काम है।* और *दासों ने उस से कहा, क्या तेरी इच्छा है, कि हम जाकर... उन को बटोर ले?*
>
> *परन्तु उसने कहा, नहीं; ऐसा न हो कि* तुम *जंगली दाने के पौधे बटोरते हुए उनके साथ गेहूं भी उखाड़ लो।*
>
> *कटनी तक उन दोनों को एक साथ बढ़ने दो: और कटनी के समय मैं काटने वालों से कहूंगा, पहले जंगली दाने के पौधे बटोर कर जलाने के लिए उन के गट्ठे बांध लो: और गेहूं को खत्ते मेरे खेत में इकट्ठा करो।*

2 क्या आपने ध्यान दिया, "पहले जंगली दाने के पौधे इकट्ठे करो, और उनके गट्ठे बांध लो"? अब, इसे पढ़ते हुए, इसमें मेरे लिए कुछ नया था जब मैं वहां कैटलिना के पहाड़ों की चोटी पर बैठा हुआ, उस रात्रि प्रार्थना

कर रहा था। और तब मैंने सोचा कि, "मैं वहां शब्द कहा से इकट्ठे करूं जिनको कि मैं जो आज रात्रि मैं बोलना चाह रहा था, उसके लिए प्रयोग करूं? "

3 और मैं नीचे गया और मैंने विसंगति याने *विरोध* शब्द पाया, इसलिए मैंने शब्दकोष लिया और देखा कि विसंगति शब्द याने *विरोध* का क्या अर्थ है। और इसका अर्थ "विरोध में बोना," या—या, "प्रतिकूल होना," जैसा कि वेबस्टर कहता है, "विरोध में बोना, कुछ भिन्न," या, "जो कुछ भी है उसके प्रतिकूल होना।" इस प्रकार मैंने सोचा, आज रात्रि का मूल पाठ सोचा, और मैं इसे: *विरोध का बीज* कहूंगा। और विश्वास करता हूं कि प्रभु अपने वचन को आशीषित करेगा अब जैसा कि हम उसकी ओर बढ़ रहे हैं।

4 और हम यह भी जानते हैं कि उसने इसका अनुवाद 36 पद और—और 43 में किया है, कि कैसे यह बीज पका। और जबकि हम इस पर हैं, आइए हम इसे भी पढ़ ले, अब 36वे से लेकर 43वे पद तक।

> और जब *यीशु भीड़ को छोडकर,* वो *घर में आया: और उसके चेलो ने उसके पास आकर कहा, खेत के जंगली दाने का दृष्टान्त हमें समझा दे।*
>
> और *उसने उनको उत्तर दिया, अच्छे बीज का बोनेवाला मनुष्य का पुत्र है;*
>
> और *खेत संसार है; अच्छा बीज राज्य की संतान है; परन्तु जंगली बीज उस दुष्ट की सन्तान है;*
>
> *जिस शत्रु ने उनको* बोया है *वह शैतान है; कटनी जगत का अंत है; और काटनेवाले स्वर्गदूत है।*
>
> *अत: जैसे जंगली दाने बटोरे जाते और जलाए जाते है; वैसा ही जगत के अन्त में होगा।*
>
> *मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य में से सब ठोकर के कारणों को और कुकर्म करनेवालों को इकट्ठा करेंगे;*
>
> *और उन्हें* आग *में डालेगे, आग के कुण्ड में डालेगे:* और *वहां* रोना *और दांत पीसना होगा।*

*उस समय धर्मी अपने पिता के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे। जिसके कान हो... वह सुन ले।*

5 यही यीशु स्वयं इस दृष्टांत का अनुवाद बता रहा है, इसलिए हम जानते हैं कि अनुवाद का क्या अर्थ है। और अब जब हम इस बीज बोने और—और काटने की ओर बढ़ते है, अब वह इसका अनुवाद करता है। और तब मैं विश्वास करता हूं कि यीशु यह अपने दिनों में इस दृष्टांत को बोल रहा था, परन्तु इसका अर्थ जगत के अंत से था, या, युग के अंत से, जो कि *यह* दिन है। और मैं विश्वास करता हूं कि यह छोटा सा मूल पाठ आज रात्रि हम जिस घड़ी में रह रहे है बिल्कुल उपयुक्त है, क्योंकि यीशु ने यहाँ विशेष रूप से कहा है कि "इकट्ठा करना इस जगत के अंत में होगा," गेहूं को इकट्ठा करना; यह जब होगा, जब अन्त होगा और जंगली पौधो को इकट्ठा करना और उन्हें जलाना भी, और गेहूं को लेकर राज्य में लाना। और मैं विश्वास करता हूं कि यह इसी प्रकार था।

6 और एक और वचन मुझे इस तरह से विश्वास की अगुवाई करता है, मैंने यह यहां लिख रखा है, मत्ती 24:24 है, जहां यह कहा गया है, कि उस—उस बीज—उस बीज के विषय में बातचीत कर रहे हैं विरोध का बीज। यीशु ने कहा कि वे दोनों आपस में इतने मिलते जुलते होंगे कि यदि हो सके तो चुने हुओं को धोखा दे दे। लगभग बिल्कुल एक जैसे।

7 वचन में जहां दूसरी जगह यह लिखा हुआ है, कि वर्षा धर्मी और अधर्मी दोनों पर गिरती है।

8 मुझे अपना पहला अनुभव याद है जब मैं कभी पहली बार पेंटीकोस्टल लोगों के बीच में आया था। मैं मिशावाका, इंडियाना में था। और मैं एक बड़ी बेदारी सभा में था, लगभग ऐसा ही एक विशाल हॉल, जहां पर उत्तर और दक्षिण एक साथ जमा थे। क्योंकि उन अलगाव के दिनों के कारण, उन्हें वहां मिलना पड़ा। वहां पेंटीकोस्टल भाइयों के दो बड़े अनुक्रम थे। मैंने उनके विषय में कभी नहीं सुना था या इससे पहले उन से मिला था। पहली बार मैंने कभी अन्य भाषा में बोलते सुना। और बेदारी सभा के अन्तिम पंक्ति में... मैं उनके बीच में जो सदस्य नहीं था, मैं बस एक नवयुवक बैपटिस्ट सेवक था, मैं सबसे पीछे बैठा हुआ था। और मुझे याद है कि मैंने पहली बार किसी को अन्य भाषा में बोलते हुए सुना था, मैं तो यह भी नहीं जानता था कि यह सब क्या—क्या था। और विशेष कर, यह दोनों पुरुष, सामने

बैठे थे, एक अन्य भाषा में बोलता था और दूसरा उसका अनुवाद करता था जो उस व्यक्ति ने बोला। वही, तब ही मैंने अपनी बाईबल का गहरा अध्ययन जितना मैं कर सकता था करना आरम्भ किया, और पाया कि यह तो वचनानुसार था। यह तो ठीक वही है जो वचन था, पवित्र आत्मा करेगा।

9 ठीक है, एक दिन के बाद... उस रात्रि में मेरे ह्रदय में बहुत हलचल रही थी। मैं मक्का के खेत में सोया। मेरे पास इतना पैसा नहीं था कि अपने लिए एक—एक—एक पंलग लेता, इसलिए मेरे पास केवल इतना पैसा था कि मैं घर पहुच जाता, और मेरे पास एक दो दिन पहले के गोल वाले शक्कर पारे थे, या रोल, ये मेरे नाश्ते के लिए थे। और मुझे उनके साथ खाने के लिए निमन्त्रण था, परन्तु डालने के लिए मेरे पास पैसे नहीं थे। उन दिनों में तंगी थी, 1933 में, इसलिए यह—यह तंगी का समय चल रहा था। और इसलिए मैंने सोचा, "ठीक है, मैं... मैं उनके साथ खाना नहीं चाहुंगा, परन्तु मैं यह जानना चाहता था कि उनके पास क्या है। उनके पास कुछ था जो मेरे पास नहीं है।"

10 इस प्रकार अगली प्रात: मैं... उन्होंने मुझसे कहा, "सारे सेवकगण मंच पर आ जाए और स्वयं केवल अपना परिचय दे, आप कौन हैं, कहां से हैं।"

11 बस, मैंने—मैंने इतना कहा, "विलियम ब्रंहम, सुसमाचारक, जैफरसनविले," बैठ गया। और उस समय पर, मैं मंच पर सबसे छोटी आयू का सेवक था। और अगले दिन उन्होंने मुझे मंच पर बोलने के लिए बुलाया। और जब मैं बोल चुका उसके बाद, क्यों, हमारा एक महान समय था, और तब मैं विभिन्न लोगों से मिला जिन्होंने मुझे अपने गिर्जे में बोलने के लिए आमंत्रित किया। तब उसके बाद वे...

12 इसके बाद, मैंने किस कारण से सोचा, "यदि मैं उन दोनों मुख्य व्यक्तियों से मिल सकू जो अन्य भाषा बोलते थे और उसका अनुवाद कर रहे थे!" यह बात मेरे ह्रदय में ज्वलित हो रही थी, मैं इसके लिए बहुत बैचैन था। अच्छा, जैसा कि मैंने आपको आरंभ में ही बताया, एक छोटा सा वरदान जो आपको मिलता हैं। आप जानते हैं, वरदान और बुलाहट बिना प्राश्चित के मिल जाते है, यह आपके साथ सारे जीवन भर बने रह सकते है, देखो, यदि यह परमेश्वर के वरदान हैं, तो आप इन्ही के साथ जन्म लेते है। इसलिए मैं जब से छोटा बालक था, यह मेरे साथ सदा होता

रहा, वे लोग जो मुझे जीवन है, मेरे सारे जीवन को वे जानते हैं कि यह सत्य है। ठीक है, यदि मैं यह सोचू... उस समय मैं यह नहीं जानता था, कि यह क्या था, इसे दर्शन कहा, मैं तो नहीं जानता था कि यह क्या था। परंतु मैंने सोचा, "काश मैं उनसे कभी बाते कर पाऊंगा!" और जो आत्मा भवन में था, वह वास्विक परमेश्वर का सा आत्मा प्रतित हुआ।

13 इसलिए मुझे—मुझे उनमें से एक से बात करने जा पहुंचा, और मैंने उससे थोड़े से प्रश्न पूछे, और वह एक वास्तविक मूल मसीही था। इसमें कोई शंका नहीं, वह व्यक्ति एक वास्तविक विश्वासी था। और दूसरा व्यक्ति, जब मैंने उससे बात की, यदि मैं कभी किसी ढोंगी व्यक्ति से मिला हूं, तो वह उनमें से एक है। वास्तव में वह व्यक्ति था... उसकी पत्नी सुनहरे बालों वाली स्त्री थी, और उससे उसके बालक थे... दो बालक काले बालो वाली स्त्री से थे। और मैंने सोचा, "अरे, अब यह क्या? यह यहाँ है, मैं—मैं दुविधा में पड़ गया। मैं एक सिद्धात वादी हूं; यह वचन से होना चाहिए, या यह ठीक नहीं है। और यहां यह आत्मा है, और जितना मैं जानता था, उसके अनुसार एक सच्चा था; और दूसरा वाला बिल्कुल भी सही ना था; और आत्मा दोनों पर उतर रहा था। अब, यह कैसे हो सकता है?" मैं, इससे मैं बड़ी उलझन में पड़ गया था।

14 दो वर्षो पश्चात, मैं उस गुफा में प्रार्थना कर रहा था, जहां मैं प्रार्थना के लिए जाया करता हूं। मैं गुफा में धूल से भर गया था, और एक दिन दोपहर बाद मैं बाहर आया, और अपनी बाईबल को एक लठ्ठे पर रख दिया, और तेजी से हवा चली और इब्रानियों का 6वां अध्याय खोल दिया। जिसमें कहा गया, कि अंत के दिनों में, यह कैसे होगा कि यदि हम सच्चाई से फिर जाए और प्राश्चित से अपने को फिर नया बनाना चाहे, तो फिर पाप के लिए कोई बलिदान नहीं है, और किस प्रकार वह झाड़ियाँ और काँटे, जो कि निक्कमे होने पर उनका अन्त जलाया जाना है; परन्तु जो भूमी वर्षा के पानी को जो बार–बार उस पर पड़ता है, पी कर जोती बोयी जाती है; परन्तु ऊंट कटारे अस्वीकृत किए जाएगी, परन्तु गेहूं इकट्ठा किया जाएगा। और मैंने सोचा, "अरे, यह तो हवा का झोका था जिसने इसे खोल दिया।" और मैंने फिर से बाईबल रख दी। और मैंने सोचा, "अच्छा, ठीक है अब मैं... " और हवा फिर आई और इसे खोल दिया। यह तीन बार घटित हुआ। और मैंने सोचा, "भाई, यह तो अजीब सी बात है।"

15 और तब मैं उठा, और मैंने सोचा, "प्रभु, आप क्यों मेरे पढ़ने के लिए यह बाईबल खोलेंगे, मैं... जब मैंने उस पर ध्यान दिया, जहां 'ऊंट और कटारे, जो कि अस्वीकृत होने पर है, जिनका अंत जलाया जाना है'? " मैंने सोचा, "क्यों, आपने यह मेरे लिए खोला? " और जैसे ही मैंने सामने देखा...

16 अब, यह वास्तविक दर्शन बिना किसी विशेष प्रयास के आते हैं। यह केवल परमेश्वर है। समझे? मैंने देखा और मैंने देखा कि पृथ्वी जो मेरे सामने घूम रही है, और मैंने देखा, वह चपटी थाली के समान हो गयी। वहां एक व्यक्ति सफेद वस्त्र पहने, गेहूं बोता चला गया। और उसके पृथ्वी की गोलाई पर से चले जाने के पश्चात; एक व्यक्ति निकल कर आया, जो दिखने में डरावना था, और वह काले वस्त्र पहने हुए थे, और वह कड़वे दाने सारे स्थान पर बखेर रहा था। वे दोनों एक साथ उग आए। और जब वे उगे, वे दोनों प्यासे थे, क्योंकि वर्षा की आवश्यकता थी। और प्रत्येक ऐसा लग रहा था कि अपने सारे सर को झुकाए प्रार्थना कर रहा था, "प्रभु, वर्षा भेज, वर्षा भेज।" और बड़ा बादल आया, और उन दोनों पर वर्षा हुई। जब ऐसा हुआ, वह छोटा गेहूं उछल पड़ा और कहने लगा, "प्रभु की महिमा हो! प्रभु की महिमा हो!" और वह छोटा जंगली पौधा भी उछला बिल्कुल वहीं उसी के पास, और बोला, "प्रभु की महिमा हो! प्रभु की महिमा हो!"

17 और तब दर्शन का अनुवाद हुआ: वर्षा धर्मी और अधर्मी दोनों पर होती है। वही एक आत्मा सभा में आ सकता है, और हर कोई उसमें आनंदित हो सकता है: पाखंडीयो पर, मसीही पर, और सारो पर एक साथ। यह ठीक सही बात है। परंतु यह क्या है? वे अपने फलों से जाने जाते हैं। समझे? केवल यही एकमात्र तरीका है जिससे जाना जा सकता है।

18 तब आप देखते हैं, जब एक जंगली जई, या जंगली गेहूं और दाना कभी–कभी एक वास्तविक, घरेलू दाने की तरह प्रतीत होता है, इतने मिलते जुलते होते है कि यह चुनो हुओं को धोखा दे दे। मैं सोचता हूं हम ऐसी ही घड़ी के युग में जी रहे हैं, जब इन्ही बातों का प्रचार होना है और बाते होनी है।

19 41वे पद पर ध्यान दे, वह दोनों भी इतनी समानता में होगे, अंत के दिनों में इतनी समानता में होगे की जब तक उसने यह नहीं किया... वह किसी गिर्जे पर उन्हें अलग करने के लिए निर्भर नहीं हो सका, जैसे की

मेथोडिस्ट या बैपटिस्ट, या पेंटीकोस्टल, कि उन्हें अलग करे। उसने कहा कि, "उन्हें अलग करने के लिए वह अपने दूतों को भेजेगा।" अलगाव लाने के लिए एक दूत आ रहा है, सही और गलत के बीच में एक अलगाव। और कोई इस कार्य को नहीं कर सकता केवल प्रभु का दूत। वही एक होगा जो बताने जा रहा है कि सही क्या है और गलत क्या है। परमेश्वर ने कहा कि अन्त के समयों में वह अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा। पिछले युगों से *यहाँ* से गुजरते हुए दूतो को नही, परन्तु अंत के समय में दूतो को, और वे एकत्र करेगे। हम जानते हैं कि अब यह कटाई का समय आ रहा है। अब, एक *दूत* का सही अनुवाद "संदेशवाहक" है। और हम देखते हैं कि सात कलीसियाओ के सात दूत है, और अब... नहीं, कलीसियायी युगों में होते हुए नही।

20 ध्यान दें उसने किस को कहा कि बीज बोने वाले थे, और यह भी कि बीज क्या था। एक, वह जो परमेश्वर का पुत्र था, कौन बीज बोता हुआ निकला। और शत्रु उसके पीछे से आया, जो कि शैतान था, और विरोध के बीज को बोया, सच्चे बीज को बोने के बाद। अब, मित्रो, जब से हमारा संसार है यह बात हर युग में घटित हुई। बिल्कुल यही। आरंभ से ही इस प्रकार से, इसने बिल्कुल उसी चीज को आरंभ किया।

21 अब उसने कहा, "परमेश्वर का बीज, परमेश्वर का वचन।" यीशु ने किसी एक स्थान पर कहा है, कि "वचन बीज है।" और प्रत्येक बीज अपने ही प्रकार का फल उत्पन्न करेगा। और अब यदि मसीही, परमेश्वर की संतान, राज्य की सन्तान परमेश्वर का बीज बन गया तो उन्हें परमेश्वर का वचन होना चाहिए, परमेश्वर का वचन जिस युग में वे रह रहे है प्रगट हुआ, उस युग के लिए प्रतिज्ञा किया हुआ वचन। परमेश्वर ने आरम्भ में अपना वचन दिया, और प्रत्येक युग का एक बीज है, उसका समय, उसकी प्रतिज्ञाये है।

22 अब, जब नूह दृश्य में आता है, और वह परमेश्वर का बीज था, उस युग के लिए परमेश्वर का वचन।

23 जब मूसा आया, वह नूह के संदेश के साथ नहीं आ सकता था, वह काम नहीं करेगा, क्योंकि वह उस समय परमेश्वर का बीज था।

24 तब जब मसीह आया, तो वह नूह या मूसा के युग में नहीं आ सकता था; एक कुंवारी को गर्भवती होना था क्योंकी वह उसका समय था, और

वह एक पुत्र जनी, और वह मसीहा होगा।

25 अब, हम लूथर के युग, वेस्ली के युग में (मेथोडिस्ट का युग) में रहते हुए निकल चुके, सारे युगों से होते हुए, और यह पेंटीकोस्टल युग, और प्रत्येक युग को वचन की एक प्रतिज्ञा दी गई। और उस युग के लोग, जिन्होंने प्रतिज्ञा किए हुए वचन को प्रगट किया, वह उस काल या युग के बीज थे, जैसे कि यहां यीशु ने कहा उसके अनुसार, "वे राज्य की संतान हैं।" यह ठीक बात है। पवित्र आत्मा का प्रगटीकरण उसके राज्य के बीज की सन्तानों के द्वारा उस युग में कार्य कर रहा है।

26 ध्यान दें, जंगली पौधे वही वो एक था, शत्रु, शैतान, जिसने विरोध, या—या विरोध का बीज बोया, वही था जो इस भयानक काम को करने का दोषी था। शैतान ने आरम्भ से ही अपना बीज बोया, जब परमेश्वर ने मनुष्य जाति की पहली फसल इस धरती पर उगाई। आदम, निश्चय ही, जैसा कि तब तक नही जान पाया था कि वहां एक—एक सत्य का ज्ञान था, और सही और गलत का, जैसा की है वह तब तक उस पर नहीं पहुंचा था।

27 परन्तु हम पाते हैं, परमेश्वर ने अपने बालको को उनकी रक्षा के लिए अपना वचन दिया। उनके... हमारे पास परमेश्वर के वचन को छोड़ और कोई रक्षा ढंग नहीं है। यही हमारा रक्षक है। कोई बम नहीं, कोई शरण स्थान नहीं, कोई छिपने का स्थान नहीं, एरीजोना का नही, या कैलिफोर्निया का, या कहीं और यह है; हमारे पास केवल एक ही रक्षक है, और वह वचन है। और वचन देहधारी बना और हमारे बीच में वास किया, जो की मसीह यीशु है। केवल वही हमारा रक्षा है। उसमें होते हुए, हम सुरक्षित हैं।

28 सच्चे विश्वासी का पाप भी नहीं गिना जाता। क्या आप यह जानते थे? वह जो परमेश्वर से उत्पन्न हुआ, पाप कर ही नहीं सकता, वह पाप कर ही नहीं सकता। समझे? यह गिना भी नहीं जाता। क्यों, दाऊद ने कहा, "धन्य है वह पुरुष जिसका पाप परमेश्वर ना गिने।" जब आप मसीह में होते हैं, तो आपमें पाप करने की इच्छा नहीं होती। "उपासक, जो एक बार शुद्ध हो चुका, उसके पास पाप करने का विवेक नहीं होता," आपकी इच्छा ही नहीं होती। अब, संसार के लिए, आप पापी हो सकते हैं; परन्तु, परमेश्वर के लिए, आप नहीं हैं, क्योंकि आप मसीह में हैं। जब आप किसी पाप रहित में हैं, तो आप पापी कैसे हो सकते हैं, और परमेश्वर केवल उसे

देखता है, जिसमें कि आप हैं?

29 अब यह कटनी का समय है। आरंभ में, जब परमेश्वर ने अपना बीज पृथ्वी पर बोया और उसे अपनी सन्तानों के हृदय में दिया, अपने परिवार में, कि उस वचन का पालन करे जो कि केवल वही उनका रक्षक था, उस वचन का पालन करे! अब यहां शत्रु अंदर आता है और उस बाडे को बीज को बोने के द्वारा तोड़ता है, जो कि परमेश्वर के वचन के विरुद्ध है। यदि आरंभ में यह विरोध था, तो यह अब भी है। कोई भी चीज जो परमेश्वर के वचन में मिलाई जाती है, वह अब भी विरोध का बीज है! मैं इसकी चिन्ता नहीं करता कि वह बात कहां से आई है, यदि वह किसी संस्था आई, यदि वह किसी सेना स्रोतों के द्वारा आई है, यदि वह राजनीतिक शक्ती से आई है, कोई भी चीज जो परमेश्वर के वचन से मेल नही रखती है, वह विरोध का बीज है।

30 जब कोई व्यक्ति खड़ा होकर कहता है कि वह सुसमाचार प्रचारक है, और कहता है कि "आश्चर्य कर्मो के दिन बीत गए," तो वह विरोध का बीज है। जब एक व्यक्ति खड़ा होकर कहता है कि वह एक सेवक, कहीं किसी कलीसिया का एक पास्टर है, और यह विश्वास नहीं करता कि हर बिन्दू में यीशु मसीह एक सा है (भौतिक शरीर को छोड़), कल, आज, और सर्वदा एक सा है, तो वह विरोध का बीज है। जब वह कहता है कि "आश्चर्य कर्म और प्रेरिताई युग समाप्त हो गया है," तो यह विरोध का बीज है। जब वे कहते हैं कि, "दिव्य चंगाई जैसी कोई चीज नहीं है," तो यह विरोध का बीज है। और संसार इससे भरा हुआ है। यह भीड़ बन कर और गेहूं को अवरूध्द कर देता है।

31 हम देखते हैं कि पहले विरोध का बीज बोने वाले की छाप "शैतान," था, और हम जानते हैं कि यह उत्पत्ती 1 में था। अब हम पाते हैं, कि मत्ती की पुस्तक के 13वें अध्याय में—में, यीशु अब भी उसके किसी भी वचन विरोधी को "शैतान" का चिन्ह कहता है। और यह 1956, कोई भी चीज जो विरोध में बोई जाती है, परमेश्वर के लिखित वचन के विरोध में, या इसका कोई भी निजी अनुवाद डालता है, वह विरोध का बीज है। परमेश्वर उसको मान्यता नही देगा। वह नहीं दे सकता। यह किसी भी चीज से मेल नहीं खाएगा। यह निश्चय ही नहीं होगा। यह सरसों या राई के बीज के समान है; यह किसी के साथ नहीं मिलेगा, आप इसे दोगला नहीं बना

सकते, इसे तो मूल ही रहना है। विरोध का बीज!

32 अब हम पाते हैं, जब परमेश्वर ने अपना बीज अदन वाटिका में बोया, तो हमने पाया कि इसने एक हाबिल को उत्पन्न किया। परन्तु जब शैतान ने अपना विरोध का बीज बोया, तो इससे कैन उत्पन्न हुआ। एक से एक धार्मिक उत्पन्न हुआ; एक से एक अधर्मी उत्पन्न हुआ। क्योंकि हवा ने विरोधी का वचन सुना, परमेश्वर के वचन के विरुद्ध, और इससे पाप की गेंद ठीक वहां से लुढ़कनी आरंभ हुई, और तब ही से लुढ़क रही है। और हम इसे कभी भी अलग नहीं कर पाएगे जब तक कि स्वर्गदूत आकर इन चीजो को अलग नहीं कर दे, और परमेश्वर अपने बालको को ले कर राज्य में पहुचाता है, और जंगली पौधे जला दिए जायेंगे। इन दोनो दाखलताओं पर ध्यान दीजिए।

33 यदि हमारे पास इस विषय के लिए अधिक समय होता, परन्तु केवल विशेष ही बातो को लेगे, ताकि हम अगले कुछ मिनटों में सीधे बीमारों के लिए प्रार्थना में जा सकें।

34 ध्यान दें, उनके बीज एक साथ बढे बिल्कुल वैसे ही जैसा परमेश्वर ने यहाँ कहा 13वें अध्याय में भी कहा, और आज रात्रि, मत्ती का हमारा मूल पाठ, "उन्हें एक साथ बढ़ने दो।" अब, कैन नोद के देश को चला गया, अपने लिए एक पत्नी पाया, और विवाह किया; और हाबिल घात किया गया था, और परमेश्वर ने शेत को उसका स्थान लेने के लिए पाल पोस कर बड़ा किया। और वंश गलत और सही के बीच में बढ़ने लगे। अब, हम ध्यान देते हैं कि वे अलग–अलग, समय–समय पर इकठ्ठे हुए, और परमेश्वर को करना था... यह इतने दुष्ट हो गए इतना तक की परमेश्वर को इन्हें नष्ट करना पड़ा था ।

35 परन्तु अंतत: यह दोनों बीज जब तक सामने उभर कर नही आए वह विरोध का बीज और परमेश्वर का बीज, उन्होंने अपने वास्तविक शीर्ष उत्पन्न किए और वह यहूदा इस्करियोती और यीशु मसीह में प्रगट हुए। क्योंकि, वह परमेश्वर का बीज था, वह परमेश्वर की सृष्टि का आरंभ था, वह सिवाए परमेश्वर के और कुछ नहीं था। और यहूदा इस्करियोती उत्पन्न हुआ था विनाश का पुत्र, नरक से आया, नरक को वापस चला गया। यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र था, परमेश्वर का वचन प्रगट हुआ। यहूदा इस्करियोती, अपने विरोध में शैतान का बीज था, संसार में आया, और

धोखा देने के लिए; जैसा कि वह आरंभ में था, कैन, उसका पूर्व पिता।

36 यहूदा ने केवल गिर्जे का नाटक किया। वह वास्तव में वह निष्ठावान नहीं था। वास्तव में उसका कोई विश्वास नहीं था; वरन वह यीशु को कभी धोखा ना देता। परन्तु, देखे, उसने वह विरोध का बीज बोया। उसने सोचा कि वह संसार के साथ मित्रता बनाए रख सकता है, धन के साथ, और यीशु के साथ भी मित्रता बनाए रख सकता है, परन्तु इस विषय में कुछ भी करने के लिए ये बहुत देर हो चुकी थी। जब मृत्यु की घड़ी आयी, जब उसने यह दुष्टता का कार्य किया, वह उस विभाजन रेखा को पार कर चूका था कि आगे बढ़ कर और वापस आ जाए। जिस मार्ग पर वह गया उसे उसी पर ही, एक धोखेबाज के समान जाना था। उसने विरोध का बीज बोया, उसने उन दिनो की महान संस्थाओ को प्रसन्न करने की चेष्टा की, उन फरीसियों और सदूकियों के साथ। और सोचा कि वह अपने लिए धन कमा कर, और लोगों के बीच लोकप्रिय हो जाएगा। क्या यह बहुत से लोगों में विरोध का बीज होने का कारण नहीं हुआ, मनुष्य में लोकप्रियता प्राप्त करने का यत्न करना! हम परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त करे, ना की मनुष्य का। परन्तु यही यहुदा ने किया जब यह विरोध उसमें बढ़े।

37 और हम जानते हैं कि यीशु वचन था, संत यूहन्ना 1 में, कहा है, "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और यहां हमारे बीच वास किया।" तो, वचन बीज है, तब बीज देहधारी हुआ और हमारे बीच वास किया।

38 यदि यहूदा शत्रु का बीज था और विरोधात्मक था, तो वह भी देहधारी हुआ और हमारे बीच में यहूदा इस्करियोती व्यक्ति में रहा। उसने कभी भी वास्तव में, वास्तविक विश्वास नहीं किया। उसके पास जो था जो उसने *सोचा* यही विश्वास है। विश्वास के समान भी एक चीज है; और वह दिखावटी विश्वासी का विश्वास।

39 और एक परमेश्वर का सच्चा विश्वास परमेश्वर में विश्वास करेगा, और परमेश्वर वचन है, यह इसमें कभी भी कुछ नहीं मिलाएगा। बाईबल हमें बताती है यदि हम एक भी शब्द मिलाएगे, या एक भी शब्द घटाएगे, तो हमारा भाग जीवन की पुस्तक में से निकाल दिया जाएगा, प्रकाशितवाक्य 22:18, अंतिम समाप्ति वाला अध्याय।

40 पहले आरम्भ में, बाईबल की पहली पुस्तक में, परमेश्वर ने उन्हें बताया

कि एक भी वचन ना तोड़े, "हर एक वचन का पालन किया जाए," उन्हें उसी वचन के द्वारा जीवित रहना है। यीशु, पुस्तक के बीच में आया है और अपने युग में कहा, और कहा, "मनुष्य केवल रोटी से ही जीवित नहीं रहेगा, परन्तु हर उस वचन से जो—जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।" और प्रकाशितवाक्य के समाप्ती युग में, हमें बता दिया गया, कि, "जो कोई भी इस पुस्तक में से एक भी शब्द घटाएगा, या एक शब्द इसमें मिलायेगा, उसका भाग जीवन की पुस्तक में से निकाल दिया जायेगा।"

41 इसलिए इसमें कोई भी शंका नहीं हो सकता है, केवल एक मूल विशुद्ध, परमेश्वर का वचन! यही वह परमेश्वर के पुत्र, परमेश्वर की पुत्रियां है, जो मनुष्य कि इच्छा से उत्पन्न नहीं हुए हैं, या हाथ मिलाने के द्वारा, या किसी प्रकार के बपतिस्मे के द्वारा; परंतु परमेश्वर की आत्मा में उत्पन्न हुए है, पवित्र आत्मा के द्वारा, और वचन उनके द्वारा प्रगट हो रहा है। यह परमेश्वर का वास्तविक बीज है!

42 शत्रु कलीसिया का सदस्य बन जाता है और अपने धार्मिक मत में कट्टर हो जाता या ऐसे ही कुछ। परन्तु यह नहीं है... यह विरोध है, कुछ भी चीज जो उस मूल सत्य परमेश्वर के वचन में अवरोध उत्पन्न करती है।

43 और हम कैसे जान जाते हैं? हम कहते हैं, "ठीक है, उन्हें इसका अनुवाद करने का अधिकार प्राप्त है?" नहीं, श्रीमान! किसी भी मनुष्य को अधिकार नहीं कि परमेश्वर के वचन का अनुवाद बताए। वह अपना अनुवाद स्वयं करता है। उसने यह प्रतिज्ञा करता है, तब वह इसे करता है, यही इसका अनुवाद है। जब वह प्रतिज्ञा करता है तो उसको पूरा करता है, यही इसका अनुवाद है। कोई भी चीज जो परमेश्वर के वचन से भिन्न है, वह विरोध है! बिल्कुल!

44 अब, जैसा मैंने कहा, यहूदा के पास वास्तविक विश्वास ना था। उसके पास दिखावटी विश्वास था। उसके पास एक—एक विश्वास था उसने सोचा कि वह परमेश्वर का पुत्र था, परन्तु उसने नहीं जाना कि वह परमेश्वर का पुत्र था। वरन उसने यह ना किया होता। और एक मनुष्य जो परमेश्वर के वचन पर सत्य होने पर भी समझौता करता है, उसके पास दिखावटी विश्वास है। परमेश्वर का सच्चा सेवक वचन पर स्थिर रहेगा।

45 कुछ रात्रियो पहले, ऐरिजोना का कोई विशेष सेवक, यह इस नगर में, प्रसिद्ध विद्यालय से, मेरे पास आया और कहा कि, "मैं—मैं किसी मामले

में आपको सही करना चाहता हूं" (मैंने कहा... ) "बोला आपके पास कब समय है।"

मैंने कहा, "यही उत्तम अवसर है जो मैं जानता हूं। आ जाओ।"

46 और इस तरह से वह आया, कहा, "श्रीमान ब्रन्हम। आप यत्न कर रहे हैं... मैं विश्वास करता हूं कि आप निष्कपट और आप ईमानदार हैं, परन्तु आप संसार में प्रेरितो की शिक्षा लाने का यत्न कर रहे हैं।" और बोला कि, "प्रेरितों का युग प्रेरितों के साथ समाप्त हो गया।"

47 मैंने कहा, "पहली बात मेरे भाई मैं आपसे यह पूछना चाहुगा, कि क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर का प्रत्येक वचन प्रेरणा से है? "

उसने कहा, "जी हां, श्रीमान, निश्चय ही मैं करता हूं।"

48 मैंने कहा, "तो फिर, क्या आप मुझे वचन में दिखाएंगे कि कहां प्रेरिताई युग समाप्त हुआ? अब, आप मुझे दिखाए यह कहां है, मैं आपके साथ विश्वास करूंगा।" और मैंने कहा, "प्रेरिताई को लिखने वाला वह था, जिसके पास स्वर्ग के राज्य की कुजियां थी, पेंटीकोस्ट के दिन जब पेंटीकोस्टल युग आरम्भ हुआ था, उन्होंने कहा, 'हे पुरुषों और भाइयों, बचने के लिए हम क्या कर सकते हैं? ' उसने कहा, 'तुम में से प्रत्येक पश्चाताप करे, और अपने अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे, क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम और तुम्हारी सन्तानों से है, और उन से जो दूर–दूर हैं, यहां तक कि जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।' अब, वचन स्वयम में कैसे विरोधात्मक हो सकता है? "

उस व्यक्ति ने कहा, "आज रात्रि मुझे भयंकर जुकाम है।"

मैंने कहा, "मैं भी ऐसा ही सोचता हूं।" समझे?

49 अब आप मुझे बताये, क्या परमेश्वर आज भी बुला रहा है? यदि परमेश्वर अब भी बुला रहा है, तो फिर प्रेरिताई युग अब भी चल रहा है। निश्चय ही! जितनो को हमारा प्रभु परमेश्वर बुलाएगा, जब भी बुलाया, जब भी बुलाएगा, जितनो को वह बुलाएगा, तो प्रेरिताई युग तब तक रहेगा, क्योंकि यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है।

50 अब, आज हम पाते हैं कि यह विरोध हर युग में होते हुए बोया गया। यदि यह अगले दस या पंद्रह मिनटो में संभव होता, तो मैं इसे करता, परन्तु आप

कर नहीं सकेगे। युगों से होते हुए... हम सब, हम में से अधिकतर बाईबल पढ़ते हैं। और अब जैसे कि जब यीशु आया और इस विरोध को जो मेल नही खाता पाया, इसके विपरीत। वह तो प्रगट हुआ वचन था, वह परमेश्वर का वचन का अनुवाद था, क्योंकि उसने कहा, "तुम पवित्र शास्त्र में ढूंढते हो, क्योंकि तुम सोचते हो कि उसमे तुम्हे अनन्त जीवन मिलता है, और वे तो वही वचन हैं जो मेरी गवाही देते हैं।" आप उसी स्थिति में है। वह—वह वचन का अनुवाद था। और इस युग का प्रत्येक फिर से जन्म प्राप्त किया हुआ परमेश्वर का पुत्र और पुत्री वचन का अनुवाद है। तुम लिखित पत्रियां हो, जो सब मनुष्यों द्वारा पढ़े जाते हो। जी हां।

51 ध्यान दें, उसने कहा, "वे व्यर्थ मेरी उपासना करते हैं, मत के लिए विरोध शिक्षा देते हैं। व्यर्थ में वे मेरी उपासना करते हैं, वे विरोध मत की शिक्षा देते है, मनुष्य का मत, मनुष्य का धार्मिक मत, परमेश्वर का वचन बता कर सिखाते हैं, जबकी परमेश्वर के वचन से उसका कोई लेना–देना नहीं।"

52 देखिए, हर युग ने ऐसी फसल पैदा की, हर युग ने ऐसा किया, और हमारा युग भी इससे अछुता नहीं। हमारे यहां भी वही बाते है, और उन युगों को एक साथ मिला दिया जाए तो उन से बड़ा युग, क्योंकि यह संसार के इतिहास का समापन है। पृथ्वी पर कभी भी इतना विरोध नही हुआ, जो कि आज इस पृथ्वी पर है। दूसरे युगों के विरोध ने उन्हें सच्चे और जीवित परमेश्वर से अलग कर के, मूर्ती पूजा में ले गया। आज, यीशु ने मत्ती 24:24 में कहा यह इतना मिलता जुलता या समानता में होगा, कि यदि संभव हो सके तो वह चुनो हुओं को भरमा देगा। विरोध के विषय की वार्तालाप! ओह, यह बहुत धूर्त है। शैतान लोगों के बीच में धार्मिक विधवानो की तरह उपस्थित है, जैसे की दिव्य या डिविनिटी में डॉक्टर, उस वचन को सिद्ध तरह से पढ़ा सकता है। यीशु ने ऐसा कहा। परन्तु उस पर ध्यान दें, वह यही कहीं होगा। कहा कि, "भाई, यह इस युग के लिए नहीं था।" ओह, हाँ, यह भी, देखिए, क्योंकि परमेश्वर ने कहा यह था।

53 देखिए इसने क्या किया। इसी प्रकार के विरोधो ने नूह के दिनों में परमेश्वर के क्रोध को भड़काया, जब परमेश्वर ने अपना भविष्यवक्ता भेजा और जलती हुई आग की तरह प्रचार किया गया, लोगों को प्राश्चित के लिए पुकारा, और विरोध डूब गया। तब शैतान ने क्या किया? पीछे से हाम के

अन्दर आया, और इसे फिर से बोना आरंभ किया। यह बिल्कुल ठीक बात है।

54 फिर मूसा प्रगट होता है, एक महान भविष्यवक्ता, इस्राईल की सन्तान को जंगल में से निकल कर लाया। क्या घटित हुआ? मूसा, जो परमेश्वर का महान भविष्यवक्ता, उनके पास परम सत्य लाया, प्रमाणित सत्य। उसकी भेट परमेश्वर से हुई थी। परमेश्वर ने सिद्ध किया कि उसकी भेट उससे हुई थी। और कैसे जो लोग वहां पीछे थे, वे याजक, और उनके अपने धर्म थे, उनके संस्कार, उनके धार्मिक संस्कार और आदि–आदि, परन्तु मूसा वहां वचन अनुवाद के प्रमाणित रूप में खड़ा रहा। इसे ना भूले! मूसा परमेश्वर की प्रतिज्ञा का अनुवाद था। उसने कहा वह इसे करेगा; वह परमेश्वर का अनुवाद था।

55 क्या घटित हुआ? मिस्त्र से एक कलिसिया निकलना आरंभ हुई, कुछ ही दिनों में अपने पैरों पर खड़ी हो गयी, और क्या हुआ? शैतान अपने विरोध के साथ आया एक व्यक्ति में, दूसरा कैन, जो कि बालाम था, और उसने उनके बीच में विरोध बो दिया। हम जानते हैं कि यह बात सही है। वह बालाम, बालाम की शिक्षा, कि "हम सब एक ही हैं, हम उसी परमेश्वर की सेवा करते हैं जिसकी तुम करते हो," मूल सिद्धांत रूप में, वह सही था, क्योंकि उसने एक बलिदान चढ़ाया जो परमेश्वर को चढ़ना था; सात मेढ़े, सात बैल, सात वेदियां, और उसी परमेश्वर से वैसी ही सिद्ध प्रार्थना कि जैसे मूसा ने जंगल में की थी, बिल्कुल ठीक वही। परन्तु वे, वे एक नहीं थे! हमें भविष्य में होने वाली बातो को दर्शाता है कि क्या होने वाला है। यहां, कैन फिर से... उस व्यक्ति बालम में प्रगट हुआ। और वहां परमेश्वर व्यक्ति मूसा में प्रगट हुआ, अपने वचनों को मनुष्य द्वारा अनुवाद कर रहा है, अपने आप को प्रगट कर रहा है, अपनी प्रतिज्ञा को मनुष्य के द्वारा। और विरोध उठ खड़ा हुआ।

56 ऐसा ही यहूदा के समय में हुआ, वहां वह उसके विरोध के साथ आया।

57 और, याद रखें, यह पाप जो उन लोगों ने विश्वास किया, कि "हम सब एक समान हैं, हम एक ही परमेश्वर की उपासना करते हैं, हम सब को एक ही कलीसिया से संबंधित होना चाहिए, हम सब एक को एक ही लोग होना चाहिए," इस्राईल का यह पाप कभी क्षमा नहीं हुआ था! यीशु ने स्वयं कहा, "वे सब मर गए!"

58 उन तीन को छोड़ सब मर गए थे। और वे, वे थे जिन्होंने थामे रखा और प्रतिज्ञा का विश्वास किया। जब डरपोको ने कहा, "हम उस देश को नहीं ले सकते हैं, और यह हमारे लिए बहुत कठीन है," और आदि–आदि, कालेब और यहोशू ने लोगों को शांत किया, और कहा, "हम उसे लेने से भी अधिक योग्य हैं, क्योंकि परमेश्वर ने हमसे प्रतिज्ञा की है! मैं चिन्ता नहीं करता कि स्थिति कैसी है!"

59 और हम अब भी दिव्य चंगाई और पवित्र आत्मा का बपतिस्मे को प्रचार कर सकते हैं, और अभी भी परमेश्वर की सामर्थ है कि हमें संसार की चीजों से अलग करे। परमेश्वर ने ऐसा ही कहा है! प्रेरिताई युग कभी नहीं रुका, और ना रुकेगा, यह चलता जाता है।

60 इस प्रकार हम पाते है वही पुराना विरोध को बोने वाला। और याद रखें कि वह पाप कभी भी क्षमा नहीं किया गया। अब, यदि वह पाप तब क्षमा नहीं किया गया था, तो अब क्या है जब की सारे कालो के वो—वो वास्तविक बीज जमा हो रहे है?

61 ध्यान दे यह महान बात जो बिलाम ने की, यह बढ़ती गयी और बढ़ती गयी, और अंत में यहूदा इस्करियोती के—के आने में समाप्त हुयी। यह क्या था? यहूदा और यीशु बिल्कुल ठीक कैन और हाबिल का चित्र थे। क्योंकि, जैसे यहूदा धार्मिक था, वैसे ही कैन भी धार्मिक था। कैन ने एक वेदी बनाई, उसने एक बलिदान चढ़ाया, उसने परमेश्वर की उपासना की, वह बिल्कुल उसमें वैसे ही निष्कपट था जैसे दूसरा वाला था। परन्तु, आप देखिए, उसके पास प्रकाशन नहीं था कि वचन क्या था। उसने सोचा कि यह आदम और हवा ने ऐसा ही कुछ सेब या कोई फल खाया था। और कैन... हाबिल, ने प्रकाशन के द्वारा, जान लिया कि वह गलत था; यह लहू था जो उन्हें बाहर ले आया, और उसने एक मेमना बली किया। और परमेश्वर ने उसकी बलिदान की गवाही दी कि यह ठीक था। तब वह द्वेष से भर गया और अपने भाई को मारने का यत्न किया। और जैसे ही उसने उसे अपने भाई को उसी वेदी पर घात किया जिस पर उसका बलिदान मारा गया था, मेम्ना वेदी पर मरा, इसी प्रकार यहूदा इस्करियोती ने यीशु मसीह को परमेश्वर की वेदी पर घात किया, और जैसे कैन ने हाबिल को घात किया ऐसे ही उसे किया। क्योंकि, कैन विरोध का बीज था।

62 और इसी प्रकार बालाम था, किराए का भविष्यद्वक्ता, एक व्यक्ति जिसे

अच्छी तरह से मालूम होना चाहिए था। और परमेश्वर ने उसे चिन्हों और आश्चर्य कर्मो से चेतावनी दी, और यहां तक कि गदही अन्य भाषाओं में बोली, और तब भी वह उसी तरह से चलता रहा। वह एक—एक वचन विरोध को बोने वाला ही बनकर उत्पन्न हुआ था।

63 और यीशु ने यह भविष्यवाणी की थी कि इस काल में सबसे अधिक वचन कु विरुद्धता होगी जो कि कभी नही हुई थी, लौदीकिया कलीसिया काल गुनगुना है, जिसने उसे कलीसिया से बाहर कर दिया है, यह इसको छोड़ और क्या हो सकता है: सिवाये विरुद्धता के! निश्चय ही, यह है। यह इस युग में समाप्त होती है।

और यह कैन और हाबिल फिर से कलवरी पर।

64 अब ध्यान दें, जैसे ही यीशु चला गया, स्वर्ग में चला गया, पवित्र आत्मा वापस भेजा गया। वह बीज था, वचन को जीवन देने वाला, जैसा कि हमने पिछली रात्रि में बोला था। यही वह है जो वचन को जीवन्त करता है। *जिलाने* का अर्थ होता है, "जीवन प्रदान करना।" वास्तविक पवित्र आत्मा जीवन को वचन में लाता है जो कि वह है। वह किसी धार्मिक–मत में जीवन नहीं लाता वह नहीं ला सकता, क्योंकि यह धार्मिक–मत की चीज नहीं है। यह परमेश्वर के वचन का जीवन है, क्योंकि यह परमेश्वर है। समझे? और यह उस देह को जीवित कर देता है।

65 अब ध्यान दें, जैसे कि उन्होंने किया। तब, जैसा बाईबल ने कहा, और—और यूहन्ना अपनी सन्तानों से बोला और कहा, "छोटे बालकों, तुम मसीह विरोधी के लिए सुन चुके हो जिसको कि जगत में आना था," कहा, "जो कि अभी भी संसार में है, और यह आज्ञा ना मानने वालो में कार्य कर रहा है।" अब, यह पवित्र आत्मा के आने के तीस वर्ष पश्चात की बात है। हम पाते हैं, जब पवित्र आत्मा आता है, वह वास्तविक बीज, बीज को वह वास्तविक जीवन देने वाला, तब यहां वह विरोध भी फिर से आता है। और ध्यान दें, यह बढ़ता चला गया। यह था...

66 वास्तविक वचन प्रमाणित हो चुका था, पुराने भविष्यवक्ताओं ने परमेश्वर के वचन को सत्य प्रमाणित किया जैसे– जैसे वे गए। यदि किसी ने *निसियन सभा* को पढ़ा है, या *निसियन सभा से पहले* खूनी राजनीति के वे पंद्रह दिन, जब उन रोमी लोगो का झुण्ड वहां गया और उस कलीसिया में से नामधारी कलिसिया गिर्जा बनाने की चेष्टा की। भेड़ की खाल लपेटे और

सागपात खाने वाले, भविष्यवक्ता आए, और उस वचन का पक्ष का लिया! परन्तु इससे क्या हुआ? यह कैन कि तरह ही होना था, यह हाबिल की तरह ही होना था, एक को तो मरना ही था। निश्चय ही, यही हुआ। और लोगों के बीच में वचन का प्रभाव समाप्त हो गया, और उन सब ने सच्चे वचन को मत दान के द्वारा बाहर निकाल दिया और विरोधी मत सिद्धान्तों को प्राचीन कैथोलिक कलिसिया ने ले लिया। उन्होंने पोप बना लिया, उन्होंने बिशप बना लिया, उन्होंने *यह, वह,* बहुत सारी *चीजे* मिला ली। उन्होंने पतरस के सच्चे वास्तविक अर्थ को हटा दिया, और मरियम का—का—का, और—और बाकी बची चीजो को; और मूर्तियां बना ली, और कुछ नहीं बनाया, केवल पागान रिवाजो में से एक कहलाने वाला मसीही धर्म। यह क्या था? विरोध का बीज! और संस्थागत हुआ, पृथ्वी पर पहली बार, एक कलीसिया संस्थागत हुई। यह क्या था? विरोध का बीज बोना आरंभ हुआ, कुछ मिलाना और कुछ घटाना।

67 किसने सुना है, कि बाईबल में, शुक्रवार को मांस नहीं खाना है? बाईबल में किसने सुना है कि, डुबा कर बपतिस्मा देने के स्थान में कुछ छिड़कना है? किसने उन बातों के बारे में सुना है, "मरियम की जय" या ऐसा ही कुछ? किसने इन प्रोटेस्टेंटों की सड़ी गली इन बातो को सुना है? केतली, कढ़ाई को काला नहीं कह सकती। ठीक है! थोड़ा सा दोषी सारी बातो का दोषी है! किसने सुना है कि परमेश्वर संस्थाओं से व्यवहार करता है? मुझे एक बार दिखाईये कि कोई भी संस्थगत होकर कभी भी जीवित रहा हो। वे तुरंत ही मर गए, और फिर कभी नहीं उठ सके! यह समय है कि कुछ घटित हो, यह परमेश्वर का समय है कि वह कुछ करे। इसने लोगों के बीच से प्रभाव को समाप्त कर दिया है।

68 यही बात आज हुई है। वे प्रभाव को समाप्त करते हैं, कहते हैं, "ओह, उन पवित्र–शोर मचाने वालों का झुण्ड, यहां उनके लिए कुछ नहीं है।" और, क्यों, यह विरोध है! वचन से आमना–सामना कीजिए और देखिए कि यह क्या है, देखिए क्या परमेश्वर अपने वचन को स्वयं अनुवाद करता है। परमेश्वर सामर्थी है कि इन पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान उत्पन्न करे। आमीन।

69 उन प्रारम्भिक मसीहो के द्वारा वचन पूरी तरह से प्रमाणित किया था, कैसे परमेश्वर ने उन्हें सब बातो से छुड़ाया और बीमारियों से और उनके

पास भविष्यवक्ता थे, और वे अन्य भाषाओ में बोले, अनुवाद किया, और संदेश दिये और वह सदा हर बार बिल्कुल सत्य सिद्ध हुआ। परन्तु उस प्रमाणित वचन के सामने, लोगों ने विरोध मत से उसे बाहर कर दिया और एक नामधारी कलिसिया का पक्ष लिया। यही सारी संस्थाओं की मां है।

70 अब दोनों पूरी तरह से परिपक्व हैं। वे फिर से बीज धारण कर रही है। यह मृत हो गई थी, परन्तु लूथर के दिनों से यह फिर से खिलना आरम्भ हो गई, जैसे कि हम पहले वाले संदेश से जो यहां प्रात: नाश्ते पर हुआ जानते है। यह लूथर के दिनो में खिलना आरम्भ हो गया था। अब उन्होंने क्या किया? तुरन्त ही उस महान पुरुष के मर जाने के पश्चात, उन्होंने एक संस्था बनाना आरम्भ कर दिया।

71 यह खिल गई। और फिर से जॉन वैसली के दिनों में, जब वे एंग्लिकन, अपनी अनन्त सुरक्षा के साथ और हर एक चीज बंध कर एक स्थान पर इकट्ठी हो गई जो अधिकतर विश्वव्यापी थी, और क्या घटित हुआ? परमेश्वर ने जॉन वैसली नामक व्यक्ति को खड़ा किया, और सब चीजो को समाप्त कर दिया। और जैसे ही वह मरा, वह और ऐजबरी और वे, क्या हुआ? वे संस्थागत हो गए, और अब आप सब प्रकार के मैथोडिस्ट पाते हैं। तब एक आया या दूसरा एलेक्जेंडर कैंपबेल, जॉन स्मिथ, और बहुत से।

72 अंत में, पेंटीकोस्टल आए, इन सब में से निकले। फिर क्या हुआ? वह बहुत अच्छे चले, तुम्हे किसने रोका? तुम वापस उसी कीचड़ में चले गए, जिसमें से निकल कर आए थे, उसी ढलान पर वापस चले गए, वापस उसी विरोध में चले गए और संस्था बना ली, तुम्हे वचन पर समझौता करना पड़ा। और हर बार परमेश्वर कुछ नया भेजता है, तुम उसे ग्रहण नहीं कर सकते। यह ठीक बात है! फिर से विरोध! और, ध्यान दे, जैसा मैंने उस दिन कहा था, कि पहला छोटा सा पत्ता इस जड़ में से निकला, बढ़कर पत्तियों में आया और फुदनी में आया, और फिर से बालो में आया और बाहर आया। वह गेहूं का छोटा सा भूसा स्वयं में लगभग उसी दाने के समान लगता है, और हमने सोचा यही था, परन्तु जब आप उसे खोलते हैं, तो वहां दाना बिल्कुल भी नहीं है। यह केवल उस दाने की सहायता के लिए है जिससे वह बढ़े, और यह भी मर जाता है, और इसमें से जीवन निकल जाता है और दाने में चला जाता है। ध्यान दें, इसलिए वह कलीसियाओ को कहते हैं जो बोयी गई...

73 आज हम पाते हैं कि हमारे कहलाने वाली कलीसियाये, यहाँ तक की हमारे पेंटीकोस्टल भी, हमें संतुष्ट नहीं कर सके, हम बाहर निकल गए, हमें अपने ही झुंड बनाने पड़े। हर चीज निकल कर आयी, हमे *यह* लेना पड़ा, हमें *यह* लेना पड़ा, हमें दूसरा झुण्ड बनाना पड़ा। और यह व्यक्ति उठ खड़ा हुआ, कहा, "वह सफेद बादलो पर आ रहा है।" दूसरा कहता है, "ओह–हुंह, वह सफेद घोड़े पर आ रहा है।" "ठीक है, हम दो झुण्ड बनायेंगे।" देखिए, यह क्या है? विरोध को बोना! जब वह आता है, यह जो कुछ भी है, जब वह आएगा तो अपने वचन का स्वयं अनुवाद करेगा। हम उस समय तक प्रतीक्षा करें। ध्यान दे... उस विषय में बात कर रहे है, आपको उस दिन का संदेश भी नहीं मिलता है। सदा उसी ओर संकेत करता है जो परमेश्वर करने जा रहा है, या जो वह कर चुका है, और इससे अनभिज्ञ है कि वह क्या कर रहा है। इस प्रकार से हम इसमें विरोध पाते है।

74 अब हम ध्यान दे कि आज हमारी कलीसियाये, हमारे सारे—सारे कलीसियाये हवा बो रही है, और बवंडर काट रहे है। हमारी वह प्रार्थना सभाये नहीं है, हमारी वह आराधनाए नहीं है जो हुआ करती थी। क्या कारण है? हमने सब जगह बंधन लगा दिए है। यहां तक की हमारे पेंटीकोस्टल गिर्जो को देखे, बाल कटी स्त्रियों से भरे पड़े है। जिसकी आज्ञा नहीं हुआ करती थी। रंगे पुते चेहरे, नाख़ून की पॉलिश, और सब तरह की चीजें; आवारा तरह का व्यक्ति यहाँ पर है... जैसे रिकी और आदि–आदि; और तीन चार बार विवाह कर चुका है, और डिकन है; ओह, कैसी विरोधता है! यहां गंदगी है! वे यह कैसे करते हैं? परमेश्वर अपनी कलीसिया में नहीं होगा, उन्हें किसी संस्था में जाना ही है यह करने के लिए। इस विषय में कोई भी कुछ कहने से डरता है, क्योंकि नही तो वे संस्था से बाहर निकाल दिया जाएगा। परमेश्वर, हमें एक ऐसा व्यक्ति दे जो किसी चीज से ना जुड़ा हुआ हो, केवल परमेश्वर से और उसके वचन से, वह इसके विषय में सत्य बताएंगे। बिल्कुल यही है जिसकी हमें आवश्यकता है। हमने क्या किया है? विरोध बोया है। हमने वायू को बोया है, और हम अब बवंडर काट रहे हैं।

75 ध्यान दें अब वे जलने के लिए आपस में जमा हो रहे हैं। क्या आपने ध्यान दिया, यीशु ने कहा, "पहले, उन्हें इकट्ठा करो, उनके गठ्ठर बाधो, और तब सारे गठ्ठरो को एक ढेर में डाल दो, और मैं उन्हें जला दूंगा।" यह छोटे गठ्ठर है जो मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन कहलाते है, यह सारे के सारे गिर्जा विश्व परिषद में इकठ्ठे हो रहे हैं। यह क्या है? "पहले

उन्हें इकट्ठा करो!" हाल्लेलुय्या! क्या आपने ध्यान दिया? पहले वह जंगली पौधे इकट्ठे करता है, उन्हें गेहूं से अलग करता है, उन्हें अलग करता है: "उन्हें एक साथ एकत्र करो और उन्हें जला दो।" यह सब परमेश्वर के न्याय से जल जायेंगे, लोगों के बीच में विरोध बोने के कारण, बात यह है कि वे... उसकी भक्ति का भेष धरते है, और उसकी शक्ती का इन्कार करते है, वचन को नकारते है, और केवल धार्मिक संस्कारो पर स्थिर रहते है कुछ रीति रिवाज जो किसी ने मिला दिए है, परमेश्वर के वचन में जोड़ने का यत्न किया। यह काम नहीं करेगा। यह केवल वचन विरोध है।

76 मैं आज चिल्लाता हूं, जैसे कि बहुत समय पहले आमोस भविष्यवक्ता चिल्लाया था, जब वह उस शहर में आया, तो बोला, "मैं भविष्यवक्ता नहीं हूं, ना ही भविष्यवक्ता का पुत्र। परन्तु यदि सिंह दहाडेगा तो कौन ना डरेगा? " उसने कहा, "जब परमेश्वर बोलता है, तो कौन भविष्यवाणी ना करेगा? " उसने पीढियों पर न्याय की भविष्यवाणी की, कहा कि, "वही परमेश्वर जिसकी सेवा का तुम दावा करते हो, तुम्हे नष्ट कर देगा।"

77 आप इसे टेप पर अंकित कर दे, और आप याद रखे। वही परमेश्वर जो... यह लोग जो इस बड़ी कटाई के लिए विश्व के—के कलीसिया परिषद में एकत्र हो रहे हैं, और आपको इसमें मिलने के लिए जाना पड़ेगा। आप इसके बाहर नहीं रह सकते। या फिर आपको व्यक्तिगत तौर पर इससे बाहर निकलना पड़ेगा, या फिर आप इसमें जा रहे हैं। इसमें कोई बीच का मार्ग नहीं है। यह पशु की छाप होगी। कोई मनुष्य खरीद या बेच नहीं सकता, जब तक की उस पर पशु की छाप ना हो, या उसमे विरुद्धता ना हो। अब, इससे अलग रहे! इससे बाहर निकल कर! भाग जाओ! इससे दूर बने रहो! वह परमेश्वर जिसका सेवा का वे दावा करते हैं, उन्हें नष्ट कर देगा। प्रेम का वह महान परमेश्वर कौन...

कहा कि, "ठीक है, यीशु ने प्रार्थना की हम सब एक हो जाए।"

78 तब उसने यह भी कहा, "दो मनुष्य एक साथ कैसे चल सकते है, जब तक कि वे आपस में सहमत ना हो? " उसने कहा "एक," जैसे कि वह और पिता एक है। और पिता वचन था, और वह प्रगट हुआ वचन था। वह पिता के साथ "एक" था, क्योंकि वह परमेश्वर की प्रतिज्ञा के वचन का प्रगटीकरण था। और ऐसा ही अब है, या किसी और दिन में भी। जी हां, श्रीमान। परमेश्वर एक है। वह हमे भी एक चाहता है।

79 *यह* कैसे एक हो सकता है, *यह* एक कुंवारी वाले जन्म का इन्कार करता है, और *यह* नहीं करता, दिव्य चंगाई का इन्कार करता है, और *यह, वह,* यह वे सारे इस प्रकार की गड़बड़ी में है? उनमें से कुछ तो परमेश्वर पर ही विश्वास नहीं करते, यह विश्वास नही करते कि वह परमेश्वर का पुत्र था; यह विश्वास करते है कि वह यूसुफ का पुत्र था, जो कि परमेश्वर का पुत्र *कहलाया*। निश्चय ही। यह दोनों जुड़वां भाई लूथरन, और ज़िंगली, यह विश्वास करते हैं, कि वह तो केवल पूरी तरह से एक भला मनुष्य था। क्रिस्चियन साइंस वालो ने कहा, वह एक भविष्यवक्ता था, केवल एक साधारण मनुष्य, वह दिव्य नहीं था। क्यों, यदि वह दिव्य नहीं था, तो वह संसार का सबसे बड़ा भरमाने वाला है। जो कभी हुआ हो। वह परमेश्वर था या फिर कुछ नहीं था। वह दिव्य था! वह स्वयं में दैविकता था, जो हमारे बीच देहधारी हुआ, परमेश्वर का पुत्र का एक व्यक्ति में। निश्चय ही, वह यही था।

80 अब हम देखते हैं कि विरुद्धता अन्दर आ गई। हम जानते हैं कि यह यहां पर है, कोई इसका इन्कार नहीं कर सकता। ओह, प्रभु! जरा ध्यान दें। वह उस झुंड को नष्ट कर देगा जो यह दावा करते हैं कि वे परमेश्वर की सेवा कर रहे हैं। आप इस पर ध्यान दे।

81 परमेश्वर ने अपना बीज बोया। मैं बंद कर रहा हूं, क्योंकि यह प्रार्थना पंक्ति का समय हो गया है। परमेश्वर ने अपना बीज बोया, और उसका बीज मसीह है। मैं कुछ ही रात्रियों में यह प्रचार करने जा रहा हूं, परमेश्वर ने अपना नाम कहाँ रखने का निर्णय लिया है, प्रभु ने चाहा तो, हो सकता है किसी एक नाश्ते पर जब मेरे पास थोड़ा अधिक समय होगा। देखिए, केवल वो ही बच निकलने का मार्ग है। वही केवल वो एक सच्चा सामर्थी है। वही केवल एक सच्चा परमेश्वर है, उसे छोड़ और कोई नहीं है। उसने कहा "केवल मैं ही परमेश्वर अकेला परमेश्वर हूं," यीशु ने कहा, "आज्ञा यह है: हे इस्राईल, सुन, मैं तेरा प्रभु तेरा परमेश्वर हूं, केवल एक ही परमेश्वर। मैं वही हूं। तुम क्यों दूसरे की राह देख रहे हो? दूसरा आएगा... मैं अपने पिता के नाम में आया हूं, और तुम मुझे ग्रहण नहीं करते हो। परन्तु जब कोई अपने खुद नाम से आएगा, और तुम उसे ग्रहण कर लोगे।" और यह उन्होंने निसिया में किया।

"क्या आप एक मसीही है?"

"मैं बैपटिस्ट हूं।"

"क्या आप एक मसीही है? "

"मैं पेंटीकोस्ट हूं।"

"क्या आप एक मसीही है? "

"मैं मैथोडिस्ट हूं, " एक दूसरा नाम।

82 परन्तु जब यह उस नाम की बात आती है, "यीशु मसीह" के तो वे इससे इतना दूर भागते हैं, जितना वे भाग सकते है, वे इससे कोई मतलब नही रखना चाहते हैं, क्योंकि वह वचन है और वचन अपने आप को घोषित करता है। ध्यान दे, बच निकलने का एक ही मार्ग है! वह शारोन का गुलाब है, बाईबल ने कहा वह था। परमेश्वर की हर उपाधी (बाईबल में) यीशु मसीह से सम्बन्धित है। वही अल्फा और ओमेगा, आरम्भ और अंत था; वह जो था, जो है, और आने वाला है; दाऊद का मूल और वंश है, दोनों मूल और बीज है; भोर का तारा, शारोन का गुलाब, घाटी की लिली, अल्फा, ओमेगा, पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा, सब यीशु मसीह में है! वह यहोवा परमेश्वर का देह में पूर्ण प्रगटीकरण था कि हमारे बीच में वास करे। बिल्कुल यही जो वो था।

83 वह शारोन का गुलाब था। उन्होंने शारोन के गुलाब के साथ क्या किया? उन्होंने उसे दबाया, मसला, ताकि उस गुलाब में से सुगंध बाहर निकले। एक सुंदर गुलाब को मसला ही जाना था कि उस गुलाब में से सुगंध बाहर निकले। और वह एक बहुत सुंदर जीवन था, उस जैसा जीवन कभी नहीं जीया गया, परन्तु इसे कलवरी पर कुचला जाना ही था।

84 देखिए, उन्होंने उस—उस शारोन के गुलाब के अभिषेक को लेकर और हारून पर डाल दिया, उसे उसी से ही अभिषेक किया जाना था ताकि वह प्रभु के पवित्र स्थान में जा सके, उस पवित्र पर्दे के भीतर। उसे शारोन के गुलाब से ही अभिषेक किया जाना था, दया के आसन पर प्रति वर्ष छिडकाव के लिए। और वह अभिषेक उस पर होना ही चाहिए, या प्रभु के लिए मीठी सुगन्ध का आभास, जब वह मेमने के लहू को स्वयं पर छिडकवाने के पश्चात वह अपने हाथो में मेमने का लहू लेकर जाता था। अनार और घंटियाँ उसके वस्त्र के छोर में चारों ओर होती थी, उसे एक निश्चित तरह से चलना होता था, जो आवाज़ करते थे, "पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु के लिए।"

85 ध्यान दें, वह वो शारोन का गुलाब है, उस मीठी सुगन्ध का आभास, अपने लोगों पर अभिषेक करते हुए। आप उसके सामने किसी मत–सिद्धांत के साथ नहीं आ सकते, या किसी और चीज के साथ, परन्तु शारोन के गुलाब के अभिषेक के साथ, वह वचन। वह घाटी की लिली भी है।

86 अब, आप अफीम को कैसे प्राप्त करते है? आप लिली को लेकर अफीम प्राप्त करते है और उसे निचोड़ते हैं, और आपको अफीम मिल जाती है। डॉक्टर इसे अपनी प्रयोगशालाओं में प्रयोग करते हैं। एक परेशान और निराश व्यक्ति को लीजिए, या एक स्त्री को, जो यह अनुभव करती हो कि वह पागल जैसे होने जा रही है, वह फर्श पर चहल कदमी करती है और चिल्लाती है, वह मूर्च्छा रोग में है, एक डॉक्टर थोड़ी सी उसकी लिली की अफीम को लेगा और उस स्त्री के हाथ में या नाड़ी में सूई से डाल देता है, या उस मनुष्य के, और वे शांत हो जाते है। कुछ देर के लिए सब समाप्त हो जाता है। परन्तु जैसे ही अफीम का असर समाप्त होता है, तो फिर उनका हाल पहले से भी बुरा हो जाता हैं।

87 परन्तु मित्रो मैं आपको बताता हूं कि, यह केवल एक वास्तविक लिली की अफिम की छाया है जो घाटी की है जो मैं जानता हूं। वह घाटी का लिली है। उसे कलवरी पर मसला गया था। वह हमारे अपराधों के कारण घायल हुआ, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए। इन बातो के लिए, वह फूल मसले गए, वह एक फूल था। वह एक ऐसा सबसे महान फूल था जैसा कि कभी नही खिला, वह यह घाटी का लिली था, और यह महान शारोन का गुलाब। अब आज रात्रि वह लटका हुआ है, जो आकाश और पृथ्वी के बीच में लटका हुआ है, मैं विश्वास करता हूं, वह उस समय था, याने कि—कि संसार के पाप उठा कर ले गया और चंगाई को वापस जगत में लाने के लिए । और बाईबल कहती है कि वह कल, आज और सदा एक सा है।

88 मित्र, जब जंगल में परमेश्वर ने मूसा से कहा, जो कि उसका एक—एक नमूना है, एक पीतल के सर्प को उठाना। और पीतल दर्शाता है पाप का न्याय हो चुका है, सर्प दर्शाता है, *पीतल का सर्प* यह दर्शाता है कि "पाप का न्याय हो चुका है।" जैसा कि, *पीतल* "दिव्य न्याय" है, जिस प्रकार कि पीतल की वेदी जिस पर बलिदान रखा जाता था। जैसा कि एलिय्याह ने भी ऊपर देखा और उसने कहा आकाश पीतल के समान था, अविश्वासी राष्ट्र पर जो परमेश्वर से फिर कर दूर हो गया था दिव्य न्याय था। पीतल

न्याय को दर्शाता है, दिव्य न्याय को। और सर्प दर्शाता है कि पाप का न्याय हो चुका; और यीशु जो हमारे लिए पाप मय सर्प बना, और परमेश्वर के न्याय को अपने ऊपर ले लिया। वह हमारे अपराधों के लिए घायल किया गया, हमारे अपराधो के हेतू कुचला गया, हमारी शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी, और उसके कोड़ो से हम चंगे हुए।

89 ओह, परमेश्वर आज रात्रि आपके लिए अपना वह सन्दूक अफीम से भरा है। मसीही मित्रो, आप बीमार और दु:खी हैं। ओह, आप थके हुए हैं, यह आपके लिए बहुत कठिन है। आप अधिक समय तक इसमें बने नहीं रह सकते हैं, आप—आप इस आधुनिक दिनो में जिनमें हम रह रहे हैं हम परेशान हो जाएगे।

90 क्या आज रात्रि आपने *लाईफ लाईन* को सुना, कि उन्होंने क्या कहा, कि—कि जो रूस कहता है, 55 में, कि वे "समस्त संसार का पूर्ण अधिकार प्राप्त कर लेंगे"? इससे पहले यह घटित हो, रेपचर हो जाना है। इसलिए मित्रो, यह कितना नजदीक है? यह बिल्कुल यही, अब निकट है।

91 क्या आप पूर्ण हृदय से आज रात्रि उसे ढूढेगे? वह घाटी की लिली है, और वह कल, आज और सदा एक सा है। आज रात्रि वह यहां अपने लोगो के मध्य में है कि स्वयं ऊंचा उठाया जाए, ठीक उसी प्रकार से जैसे मूसा ने उस—उस पाप के चिन्ह को उठाया। केवल पाप को ही नही, परन्तु रोगों को भी। याद रहे, यीशु ने कहा, "जैसे मूसा ने पीतल के सांप को ऊपर उठाया, वैसे ही मनुष्य के पुत्र को भी ऊपर उठाना ही है।" मूसा ने किस के लिए ऊंचे पर उठाया? पाप के लिए, अविश्वास और रोगों के लिए। यीशु भी पाप, अविश्वास और रोगों के लिए ऊपर उठाया गया। वो वही चीज था।

92 अब, आज रात्रि, इन दिनों में जब हमारे पास एक बड़ा विरोध है, लूका में यीशु मसीह ने प्रतिज्ञा की, कि उन दिनों में... प्रभु के आगमन से पहले, ऐसा ही होगा जैसा सादोम के दिनों में था, और जब मनुष्य का पुत्र अपने आप को प्रकट करेगा, जैसे कि मनुष्य के पुत्र ने स्वयं को अब्राहम पर प्रगट किया था; एलोहीम, परमेश्वर, मनुष्यों के मध्य में देहधारी हुआ, और अब्राहम के साथ रहा और उसे दिखाया, उसे बताया कि सारा तंबू में (उसके पीछे बैठी हुई) क्या सोच रही है, जिसको उसने कभी नहीं देखा था। उसे बताया कि वह क्या... उसने उसे "सारा" के नाम

से पुकारा। "अब्राहम," उसका—उसका नाम अब्राम नही, जबसे उसने चलना आरंभ किया, परन्तु अब्राहम था। ना ही सारे, एस–ए–आर–ए–आई; परन्तु साराह एस–ए–आर–ए–एच, "तेरी पत्नी साराह कहां है?"

कहा कि, "वह आपके पीछे तंबू में है।"

93 कहा कि, "मैं जीवन के ऋतु में तुझ से मिलने आ रहा हूं।" और वह हंसी। उसने कहा कि, "यह क्यों हंसी?"

94 अब, यीशु ने कहा, "इसके जरा से पहले कि यह महान विरोध एकत्र हो कर और जलाया जाये, मनुष्य का पुत्र अपने आप को प्रगट करेगा उसी प्रकार से जैसा उसने पहले किया था।" और यह कि... यह क्या है? अब यह फिर उसे आपके सामने ऊपर उठाया जा रहा है, कि यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? आइए हम अपने सिरों को झुकाए और प्रार्थना करे।

95 प्रिय परमेश्वर, हम आपसे प्रेम करते हैं। आपका वचन हमारे साथ इतना—इतना भोजन से भरा हुआ है, प्रभु। कि हम बस इससे प्रेम करते हैं! प्रभु हम इसके द्वारा जीवित रहते हैं, प्रभु। ऐसा प्रतीत होता है कि हमारी सामर्थ कभी भी पूर्ण नहीं है। हम आपकी मेज पर बैठना पसंद करते हैं, आपके वचन के चारो ओर, और आशीषों में आनन्दित होते हैं, प्रभु, जब हम इस प्रकार से एकत्र होते हैं, भाई बहन की तरह जो कि परमेश्वर के पुत्र के लहू द्वारा खरीदे हुए है, जो कि आपके लहू के द्वारा खरीदे हुए है। और हम आज रात्रि आपके पास आते हैं, प्रभु, हमने इन रात्रियो को बीमारों की प्रार्थनाओं के लिए समर्पित किया है। और वचन के अनुसार, आपने कहा कि "उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए थे।" तो फिर प्रार्थना करना आवश्यक नहीं है (केवल अपने पापों को मान लेना), क्योंकि आपके कोड़ो के द्वारा हम (भूतकाल) चंगे हुए थे। ओह, क्या ही उद्धार का दिन है! क्या ही—क्या ही इम्मेनुएल के द्वारा क्या ही प्रतिज्ञा है! यह निश्चय ही सत्य है।

96 आपने कहा, "थोड़े समय बाद और संसार मुझे फिर ना देखेगा, परन्तु तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं" ("मैं" का व्यक्तिगत सर्वनाम) "मैं तुम्हारे संग होऊंगा, तुम्हारे अंदर होऊंगा, जगत के अंत तक।" और समय के अंत में, इस बड़े विनाश पर, आपने कहा, बस इससे पहले कि यह घटित हो यह ऐसा ही होगा, जैसा कि सादोम में आग बरसने से पहले और अन्यजाति के संसार को जला दिया, और तब ही वहां मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन फिर

से होगा जैसा कि यह सादोम में हुआ था। पिता, होने दे कि लोग इससे ना चूके।

97 और मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, ऐसी असभ्य बाते, (यदि मैंने गलत कहा है, तो मुझे क्षमा करें), जो कि बढती जा रही है। प्रभु, मैं इन लोगो से प्रेम करता हूं। मैं—मैं प्रार्थना करता हूं कि ये वंचित ना हो। प्रभु होने दे कि यह एक महान रात्रि हो। ऐसा हो कि प्रत्येक बीमार, दु:खी, अंधा, जो कुछ भी यहां है, प्रभु, वह आज रात्रि चंगा हो। होने दे कि हर पापी बचाया जाये। यदि वे अविश्वासी हैं तो अब ठीक उनके ह्रदय में, ऐसा हो कि इस क्षण में वे मसीह को ग्रहण करें। पिता, इसे प्रदान करे। यह सब आपके हाथों में है। हम अपने आप को आपको समर्पित करते हैं, कि आपको अपने मध्य में आते देखें।

98 और आपने संत यूहन्ना 14:12 में कहा, "वह जो मुझ में विश्वास करता है, वे काम जो मैं करता हूं वह भी करेगा।" हम कैसे जान पाते हैं कि आपने स्वयं को लोगों पर प्रगट किया, क्योंकि आप वह भविष्यवक्ता थे, जिसके लिए मूसा ने कहा था कि वह उठ खड़ा होगा। उनके पास चार सौ वर्षो से भविष्यवक्ता नहीं थे, चारो ओर विरुद्धता थी, परन्तु फिर भी परमेश्वर के वचन को पूरा होना था; इसलिए वचन देहधारी हुआ, और ऐसा ही विरोध ने भी किया। और, पिता, आज हम फिर से इसे देखते हैं, विरोध एक बड़े गड्ढर के रूप में बदल गया; और हम देखते है कि वचन भी उसी प्रकार से आ रहा हैं। पिता, आज रात्रि हमें आशीषित करे। हम स्वयं को आपको समर्पित करते हैं, आपके वचन के साथ। प्रभु, जो कुछ भी आप हमारे साथ करना चाहते है, हमारे साथ करें। यीशु के नाम में। आमीन।

99 [एक बहन अन्य जुबान में बोलती है। टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] हम नहीं जानते कि उसने क्या कहा। हो सकता है वह हमें कुछ बताना चाहता हो, इसलिए कुछ क्षणों के लिए आदरपूर्वक रहे। [टेप पर खाली स्थान। एक भाई अनुवाद को देता है।]

100 आमीन। क्या आपने कभी पढ़ा... ? [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... वचन जहां पर शत्रु आता है, और वे सब एक स्थान पर एकत्र थे, और वे... शत्रु क्या ही एक बड़ी शक्ति थी। और परमेश्वर का आत्मा एक मनुष्य पर उतरा, और हमे बताया, और उसने भविष्यवाणी की, और कहा कि कहां जाकर प्रतीक्षा करे, और उन्होंने अपने शत्रु को नष्ट कर दिया।

अब यहां यह फिर से आता है। एक स्थान है कि आपके शत्रु को नष्ट किया जाए, देखिए, परमेश्वर का हाथ थाम लीजिये। परमेश्वर का हाथ मसीह है, वास्तव में वह वचन है इसलिए उसे अपने ह्रदय में ले, आज रात्रि जब हम प्रार्थना पंक्ति को बुलाते हैं।

101 मैं विश्वास करता हूं आज बिली ने प्रार्थना पत्रों को फिर से दे दिया है। बी, बी, आइये हम बी, पच्चासी को ले। पिछली रात्रि, हमने पन्द्रह लिया था। हम अधिकतर एक रात्रि में पंद्रह लेने का प्रयत्न करते हैं। और तब अपने प्रार्थना पत्र पकड़े रहे, अब हम उन्हें लेंगे। पंद्रह के लिए प्रयत्न करें। पच्चासी। बी, जैसे ब्रंहम, आप समझते हैं। बी, पच्चासी से सौ तक। और हम... आइये देखे कि किसके पास पच्चासी बी है, अपना हाथ उठाये। आप है, ठीक है... ओह, पीछे, ठीक है, पच्चासी यहां आ जाये।

102 अब, मेरे पुत्र... इसलिए कि हो सकता हैं यहां पर कोई अपरिचित ना जानता हो कि यह कैसे होता है। मेरा पुत्र या कोई यहाँ आता है, यदि वह आ नहीं सकता है, तो भाई बॉर्डर्स, कोई और आ जाये। कोई एक व्यक्ति आयेगा, इनमें सौ कार्डो या प्रार्थना पत्रों को लेगा, लोगों के सम्मुख खड़े होकर और उन्हें आपस में मिलाएगा। इस प्रकार वो आपको प्रार्थना पत्र देता है, वह आपको नहीं बता सकता कि आपको यहां मंच पर बुलाया जाएगा या नही, वह यह नहीं जानता। और ना ही मैं जानता हूं। मैं रात्रि में आता हूं, और उन प्रार्थना पत्रों में से दस या पंद्रह को खींच लेता हूं। इससे आपकी चंगाई का कोई सम्बन्ध नहीं है। आप वही बैठे रह सकते हैं। देखिए, गत रात्रि। आप में से कितने पिछली रात गए यहां थे, अपने हाथ उठाए? किस प्रकार से बस लोग सारी सभा में चंगे हुए थे!

103 अब, यह पच्चासी, छियासी, सत्यासी, अट्ठायासी, नवासी, नब्बे था। हम इन्हें ठीक अभी लेते है। बी, पच्चासी, छियासी, सत्यासी, अट्ठायासी, नवासी, नब्बे। वह एक था... निश्चय ही, हमें आवश्यकता है... और यदि कोई... यहाँ दूसरा है, हां, वह इसे ठीक कर देगा। नब्बे, अब नब्बे से सौ तक। नब्बे, इक्यानबे, बानबे, तिरानबे, चौरानबे, पंचानबे, छियानबे, सत्तानवे, अट्ठानबे, –निन।

104 यदि आप चल नहीं सकते, यदि आप... मैं एक दम्पति को देखता हूं, यहाँ अब तीन पहिए वाली कुर्सिया, उनमें से चार, मैं विश्वास करता हूं, मैं देख सकता हूं। यदि आपके पास प्रार्थना पत्र हो, और यह—यह आपका

नंबर पुकारा जाए, और आप चल नहीं सकते है, तो केवल अपना हाथ खड़ा करे, हम इस पहिए वाली कुर्सी को यहाँ तक चला कर ले आएगे।

105 और यदि आपके पास प्रार्थना पत्र ना हो, तो केवल वही बैठे रहे और प्रार्थना करें, और कहे, "प्रभु यीशु, आज रात्रि मेरे लिए ऐसा होने—होने—होने दे।" आपमें से कितने है जिनके पास प्रार्थना पत्र नहीं है, अपना हाथ खड़ा करे। ओह, प्रभु! ठीक है, अब आइए अब हम जरा इसे कहे, मैं आशा करता हूं कि यह अपवित्र सा नहीं सुनाई पड़ेगा। परन्तु एक बार वहां एक छोटी सी स्त्री थी हम कहेगे कि उसके पास प्रार्थना पत्र नहीं था। वह भीड़ में होती हुयी जबरदस्ती घुस गई, उसने कहा (अब ध्यान से सुने), "यदि मैं उस मनुष्य का वस्त्र भी छू लू, तो मैं चंगी हो जाऊंगी।" कितने इस कहानी को जानते हैं? तो ठीक है। और उसने क्या किया? उसने उसे छुआ, और वहां जाकर और बैठ गई। और यीशु पीछे मुड़ा, वह जानता था कि वह कहां पर है। यह ठीक बात है? वह उसकी परेशानी को जानता था। क्या यह ठीक बात है? वह जानता था उसकी परेशानी क्या है, तो उसने उसे बताया उसकी परेशानी क्या थी। और उसने अपनी देह में अनुभव किया कि लहू बहना बंद हो गया। क्या यह ठीक है? क्यों क्योंकि? उसने उसे छुआ था।

106 अब, आज रात्रि यहां कितने मसीही है जो इब्रानियों के अनुसार जानते है, इब्रानियों की पुस्तक, कि यीशु अब एक महायाजक है, वह महायाजक जिसे हमारी दुर्बलताओं के द्वारा छुआ जा सकता है? क्या उसे छुआ जा सकता है? तो ठीक है, यदि वह वही महायाजक है, उसी कार्य स्थल पर, महायाजक, तो वह कैसे कार्य करेगा? वह वही कार्य करेगा जैसे उसने तब किए थे। क्या आप यह विश्वास करते हैं? वह बस उसी प्रकार कार्य करेगा जैसे तब किए थे, यदि आप यह विश्वास कर सके। तो ठीक है। कितने यह विश्वास करते हैं, हाथ उठाकर, कहे, "मैं वास्तव में इसका विश्वास करता हूं"?

107 तो ठीक है, इससे पहले यह प्रार्थना पंक्ति बनाये, आइये हम वहां पर प्रार्थना पंक्ति बनाये। मैं जानता हूं कि वह यहां है। मैं—मैं—मैं उसकी उपस्थिति को अनुभव करता हूं, और मैं—मैं जानता हूं कि वह यहां है। आईये। प्रार्थना पंक्ति तैयार है? मैं वहां से बुलाना चाह रहा था। आप केवल—केवल प्रार्थना करें, केवल इधर की ओंर देखें, और प्रार्थना करें,

केवल विश्वास करें।

108 एक छोटी स्त्री यहां बैठी हुई सीधी मेरी ओर देख रही है, उस महिला के पास ही जो चश्मा पहने बैठी है। क्या आप देख सकते है कि वह वहां उस स्त्री पर ठहरा हुआ है? यहाँ देखिए। समझे? वह ह्रदय रोग से पीड़ित है। क्या आप विश्वास करती हैं परमेश्वर आपको चंगा कर देगा? यदि आप करती हैं, तो अपना हाथ उठाये। कि आपकी यही परेशानी थी। ठीक है। अब यदि यही आपकी परेशानी थी, तो हाथ उठाये ताकि लोग देख सके, अपना हाथ *इस* प्रकार उठाये। अब, आपके अन्दर अब यह नहीं है। आपके विश्वास ने आपको चंगा किया है।

109 वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। ओह, यहां विरोध है; परन्तु यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है। क्या यह... अब प्रार्थना करते रहे, देखिये, आपको यहाँ ऊपर होने की आवश्यकता नहीं है, जिससे कि आप जान सके।

110 अब, यह एक महिला है। जहां तक मैं जानता हूं, मैंने उसे अपने जीवन में नहीं देखा, यह केवल एक महिला है जो यहां खड़ी है, और आपके पास प्रार्थना पत्र है, और आप नहीं जानती थी कि आपको बुलाया जाएगा या नहीं। बस किसी ने आपको प्रार्थना पत्र दिया और आपको—आपका नंबर पुकारा गया, इसलिए आप यहां पर आयी हैं। क्या यह ठीक बात है? और मेरे पास कोई विधी नही कि मैं जानू आप क्या हैं, आप कौन हैं, आप कहां से आयी हैं, आप क्या चाहती हैं, इस विषय में कुछ नहीं। मैं केवल एक मनुष्य हूं, आप एक महिला है। यह ठीक बात है। बिल्कुल यही चित्र एक बार बाईबल में आया, संत यूहन्ना के चौथे अध्याय में।

111 अब आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम तो फिर आपने क्या किया, कुछ क्षण पहले? " उस छोटे से खिचाव के अन्दर आ गया, समझे। देखिए, मुझे नही मालूम। उसे ही यह करना होता है। मुझे नहीं मालूम। वह स्त्री वहां कैसे थी? मैंने इस स्त्री को अपने जीवन में कभी नहीं देखा। वो मेरे लिए पूरी तरह से अपरिचित है। मैं विश्वास करता हूं कि वही स्त्री थी। वह कौन व्यक्ति था जो अभी–अभी वहां सभा में चंगा हुआ था? क्या आप... जी हाँ। हम एक दूसरे के लिए अपरिचित है। यदि यह ठीक बात है, तो *इस* प्रकार से आप हाथ हिलाईये। देखा? मैंने इस स्त्री को कभी नहीं देखा। लेकिन वह वहां बैठी हुई विश्वास कर रही थी। अब, उसने किसी चीज को छुआ है, क्या

उसने नहीं छुआ? मुझे छू कर इससे कुछ भी भला नही होगा।

112 परन्तु अब क्या आप नहीं देख सकते है कि बाईबल एकदम सही परमेश्वर का वचन है? वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। हम उस पवित्र आत्मा के मन्दिर बन जाते हैं जो कि मसीह है। समझे? यही वास्तविक बीज है। तब यदि वह वास्तविक पवित्र आत्मा उस वास्तविक वचन के बीज में आ जाता है, ना कि... वह उसके एक भाग को नहीं लेगा (क्योंकि, शैतान उसका प्रयोग करता है), आपको सारा का सारा लेना होगा, देखिए, उसका प्रत्येक वचन; क्योंकि, वह आधा परमेश्वर नहीं है, वह सम्पूर्ण परमेश्वर है। समझे? और यही है जो जगह लेता है।

113 अब, यहाँ एक महिला है, मैंने उसे कभी नहीं देखा। एक बार यीशु ने इस प्रकार की महिला को पाया, हो सकता है एक सी स्थिति ना हो, मैं नहीं जानता। और वह एक कुएं पर बैठा हुआ था। उसे—उसे वहां सामरिया की ओर जाना था। और हम पाते हैं, कि सामरिया पहाड़ के नीचे को है। और—और मेरा मतलब वह यरीहो जा रहा था, और वह सामरिया से होकर चला और सूखार नगर में आ गया। और वह कुएं पर बैठ गया, और अपने चेलों को खाना लाने के लिए भेज दिया।

114 वहां संसार में लोगों की कितनी जातियां हैं? तीन। हाम, शेम और येपेत के लोग। हम सब नूह से निकले हैं। और उस समय बाकी का सारा संसार नष्ट हो गया था। लोगों की केवल तीन जातियां, यहूदी, अन्यजाति, और सामरी (जो की आधे यहूदी और आधे अन्यजाति होते है)। और यही सब संसार की जातियां है, देखिए, केवल तीन।

115 परमेश्वर में हर चीज तीन में सिद्ध होती है। जिस प्रकार की यह तीन जिनके लिए मैं आज रात्रि बात कर रहा था: विरोध के तीन चरण, वचन देहधारी हुआ के तीन चरण, और आदि–आदि। समझे?

116 और अब वह—वह जो यहूदियों से बात कर रहा था, फिलुफुस को बताया, जब उसने नतनेएल को लाया, कि वह कहां पर था, और कहा, "मैंने उसे देखा जब वह पेड़ के नीचे था।" उसने कहा... अन्द्रियास पतरस को लाया, उसने कहा, "तेरा नाम शमौन है, और तुम्हे अब से 'पतरस' बुलाया जायेगा।" कहा कि, "तू योना का पुत्र है।" समझे? अब, वे सारे यहूदी थे।

117 लेकिन यहाँ वह अन्यजातियो के पास आता है... अन्यजातियो के पास नहीं, परन्तु एक सामरी के पास।

118 अब ये अन्यजातियों का समय है। उसने ऐसा कभी भी अन्यजातियों के बीच में नहीं किया। पवित्र शास्त्र में ढूंढे। कभी नहीं। परन्तु उसने लूका 22 में प्रतिज्ञा की है, कि वह यह अपने आगमन के ठीक पहले इसे करेगा।

119 परन्तु वह वहां पर बैठ गया, और एक स्त्री आधी यहूदी और आधी अन्यजाति वहां पर आती है। और उसने उससे कहा, "स्त्री, मुझे पानी पिला।"

120 उसने कहा, "क्यों, तुझे यह नहीं मांगना चाहिए। हम लोग... यहाँ पर एक अलगाव है। तू यहूदी है, और—और मैं एक सामरी हूं।"

121 उसने कहा, "परन्तु यदि तू जानती कि तुझ से कौन बाते कर रहा है, तो तू मुझ से पीने को मांगती।" वह क्या कर रहा था? उसकी आत्मा से सम्बन्ध स्थापित कर रहा था। और जैसे ही उसने उसकी परेशानी को मालूम किया कि वह क्या थी, अच्छा तो, उसने उससे कहा अपने पति को बुला ला। उसने कहा उसके पास कोई नहीं है। उसने कहा, "यह ठीक बात है, तेरे पांच हुए है।"

122 अब, देखिए, जब फरीसियो ने उसे ऐसा करते देखा। ठीक है, वह विरोध ठीक वही वचन में है, उन्होंने क्या कहा? उन्होंने कहा, "यह मनुष्य बालजबूल, एक ज्योतिष विद्या बताने वाला है।" समझे?

123 और यीशु ने कहा, "यदि कोई ऐसा पवित्र आत्मा के लिए कहेगा, जब वह आकर यही करेगा, वह कभी क्षमा नहीं किया जाएगा।" यही आपका विरोध है। समझे? परन्तु उसने कहा तब उस समय तो वह उन्हें क्षमा कर देगा, क्योंकि पवित्र आत्मा नहीं आया था; बलिदान का मेम्ना मरा नही था।

124 परन्तु तब स्त्री ने ऐसा नहीं सोचा। स्त्री ने कहा, "श्रीमान, मुझे प्रतीत होता है कि तू एक भविष्यव्यक्ता है।" उनके पास सैकड़ों वर्षों से भविष्यवक्ता नहीं था। कहा, "मुझे प्रतीत होता है कि तू एक भविष्यवक्ता है। अब, हम जानते हैं कि मसीहा, जो कि मसीह कहलाता है, जब वह आता है, तो वह यही करने जा रहा है।"

125 ठीक है, यदि यही जो उसने किया, तब तो वह कल और आज एक सा है। और ऐसे ही उसने अपने आप को तब प्रगट किया, क्या यही बात

आज नहीं है? होनी ही है! अब, यहाँ एक महिला है और एक मनुष्य फिर से मिलते हैं। यह वह स्त्री नहीं है, मैं वह मनुष्य नहीं हूं। परन्तु फिर भी वही पवित्र आत्मा यहां पर है, और उन्ही कार्यो को जो उसने किए प्रतिज्ञा की है कि, हम वही कार्य करेंगे मनुष्य के पुत्र के दिनों में जब वह प्रकट होगा।

126 अब, मैं आपको नहीं जानता (और आप जानते हैं कि यह सच है), हम लोग पूरी तरह से अपरिचित है, और आप यहां खड़ी हैं। कुछ है... हो सकता है आपके साथ कुछ गडबडी है, हो सकता है ना हो, मैं नहीं जानता। परन्तु यदि प्रभु यीशु मुझ पर पवित्र आत्मा के द्वारा प्रकट करेगा, कि आपकी क्या परेशानी है, तो क्या आप विश्वास करेंगी कि यह परमेश्वर का पुत्र है, और कोई मनुष्य जाति नहीं है? यह तो केवल एक बाहरी ढांचा है, *यह* मन्दिर जिसको—जिसको परमेश्वर उपयोग में लाता है, किसी को भी जिसको उसने चुना है। वह—वह अपने सर्वोच्च अनुग्रह और चुनाव से करता है। सो, परन्तु आप विश्वास करे। क्या आप करेंगी? [बहन कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

127 सभा में से कितने लोग इसका विश्वास करेंगे? यहाँ हम दोनों ज्योति के सामने खड़े हुए हैं, कि इससे पहले जीवन में हम कभी नहीं मिले, कोई अनुमान भी नहीं है कि यह महिला कौन है, यह क्या है, यह कहां से आई है, क्या चाहती है। मैंने इसे अपने जीवन में कभी नहीं देखा, वह महिला जो नीचे बैठी है मैंने उसे *वहां* अपने जीवन में पहले कभी नही देखा। परन्तु, देखिए, यहां पर मैं आपके लिए क्या करने का प्रयत्न कर रहा हूं: अब आप से उस विरुद्धता को दूर करूं, और वचन पर विश्वास करें, जब वचन यहां हमारे बीच में देहधारी होता है। वचन हमारी देह में जीवित हो जाता है, यह परमेश्वर की उपस्थिति को दर्शाता है।

128 अब होने दे कि वह इस महिला को प्रदान करे। यह उपयुक्त बात को चाह रही है। यह बालक रहित है, यह एक बालक चाहती है। यह लगभग चालीस वर्ष की है। निश्चय ही यह असंभव नहीं है।

129 अभी वे लोग यहां बैठे हैं, वह स्त्रियां जो अपने जीवन भर बांझ रही थी, और इस मंच पर इसी प्रकार आयी, और प्रभु ने उन्हें बालक दिए। जो जानते है आप में से कुछ अपने हाथ उठाये। देखा? देखा? मैंने एक छोटी प्रिय सी लड़की को उस दिन रविवार को, यहां से जाने के पश्चात गोद में उठाया था, रविवार दोपहर बाद; प्रभु ने कहा कि, उसकी मां बांझ

थी। और वह छोटी लड़की, प्यारी छोटी सी चीज, क्या वह यहां पर है? कहाँ है वह? हां। यहां है वह, ठीक यही यहां नीचे बैठी है। मां वहां पर बैठी है। यहाँ वह छोटी लड़की है, स्वयं। देखिए उसे? यह परमेश्वर की ओर से बोला गया वचन था।

130 अब, क्या आप उस पर अपने पूर्ण ह्रदय से विश्वास करेंगे? क्या आप विश्वास करती हैं कि आशीष जो आपके पास है, जो अब आप अनुभव कर रही हैं, यह परमेश्वर उत्तर दे रहा है? यदि परमेश्वर मुझे बताये कि आपका क्या नाम है, ताकि आप बालक का नाम रख सके, आप विश्वास करेंगी? तो, फिर श्रीमती थोमसन, आप घर जा सकती हैं और अपना बालक पाईये, यदि आप पूर्ण ह्रदय से इसका विश्वास करे।

131 क्या आप अपने सम्पूर्ण ह्रदय से विश्वास करते हैं? केवल विश्वास करे, शंका ना करें, केवल परमेश्वर पर विश्वास करें। परमेश्वर, परमेश्वर है।

132 आप कैसे हैं, श्रीमान? मैं समझता हूं कि हम भी अपरिचित है। जहां तक मैं जानता हूं कि कभी यदि मैंने आपको अपने जीवन में देखा है, जब आप वहां आ रहे थे। और मैंने सोचा कि आप भाई शेकेरियन के अंकल, या वह जो... मेशगन, भाई मेशगन, गीत गाने वाले, जब आप वहां थे। और तब मैंने आपको देखा कि आप प्रार्थना पंक्ति में जा रहे थे। अब, आपके साथ अपरिचित होने के नाते, और, आपसे, और मैं दोनों ओर से अपरिचित हूं। अब, यदि प्रभु यीशु मुझे कुछ बताएगा कि आप—कि आप, हो सकता जो आप चाहते हो, चलिए यह कहते हैं; आपको वह बताए, मुझे वह बताए जो आप चाहते हैं। अब, वह आपको पहले ही इसे दे चुका है। केवल इतनी बात कि आपके पास इतना भरोसा हो कि आप इसका विश्वास करे।

133 अब, कितने यह समझते हैं? केवल इतना विश्वास कि यह विश्वास करे, जो आपने मांगा हैं वह मिल चुका! देखा?

134 अब, अब, यदि आप यहां कुछ चाहते हैं, और वह मुझे बता सकता है कि आपकी इच्छा क्या है, आप जानते हैं कि मैं नही जानता कि आपकी क्या इच्छा है, तो यहां कुछ होना चाहिए जो यह कर रहा है। अब, वचन के अनुसार, उसने यह करने की प्रतिज्ञा की है। वह उनके ह्रदयो के अन्दर के विचारों को जानता है। क्या यह ठीक बात है? ठीक है।

135 आपके अन्दर चंगा होने की बहुत इच्छा है। एक बात, आप नाड़ी

सम्बधी रोग से पीड़ित हैं, बहुत ही अधिक रूप से। यह ठीक बात है। दूसरी बात, आपको पीठ में परेशानी है, कुछ समय से आपकी पीठ की हालत बहुत बिगड़ी हुई थी, आपने इसका ऑपरेशन भी करवाया है। यह **यहोवा यों कहता है** है । यह सत्य बात है। देखिए। यह ठीक बात है। और यहाँ दूसरी बात यह है, कि आपके ह्रदय की गहराई में यह इच्छा है, कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त करे। यह बिल्कुल ठीक बात है। यहाँ आइये।

136 प्रिय परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, होने दे कि यह मनुष्य पवित्र आत्मा से भर जाए, इससे पहले कि इस स्थान को छोड़े, यीशु के नाम में। आमीन।

मेरे भाई, अब इसे ग्रहण करे। केवल विश्वास करे और संदेह ना करें।

137 आप कैसी हैं? मैं मानता हूं, कि जहां तक मैं जानता हूं, हम एक दूसरे के लिए अपरिचित है। यदि यह ठीक बात है, क्यों, जिससे कि लोग जान सके, केवल अपना हाथ उठाये कि लोग देख सके कि हम अपरिचित है। अपनी जानकारी में, मैंने इस महिला को कभी नहीं देखा। और मैं समझता हूं इसने मुझे कभी नहीं देखा, जब तक आप यहां सभा में ना थी। क्योंकि स्वर्गीय पिता जानता है, और उसका वचन यहाँ रखा हुआ है, कि अपनी जानकारी में मैंने इस महिला को अपने जीवन में कभी नहीं देखा। इसलिए, मैं नहीं जानता कि आप यहां किसलिए हैं, ऐसा कोई अनुमान नहीं है कि आप कौन हैं, क्या है, या आपके विषय में कुछ नहीं जानता। मैं आपको एक बात भी नहीं बता सकता।

138 केवल एक बात कि, यह केवल वरदान है। यदि मैं कर सकता... जैसा कि आपने मुझे थोड़ी देर पहले मुझे कहते सुना। थोड़ा चल कर आईए, सुनिए वह क्या कहता है; जो मैं देखता हूं, मैं वही कहता हूं। जो वह नहीं कहता, मैं नहीं कह सकता। जो मैं अपने आप से कहूंगा, तो वह गलत होगा। समझे? वह गलत ही होना है। परन्तु यदि वह यह कहता है, तो वह बिल्कुल सही होता है। वह कभी भी गलत नहीं हो सकता। वह कभी भी गलत नहीं हुआ जब तक वह परमेश्वर बना रहेगा वह कभी भी गलत नहीं होगा। देखा? समझे, क्योंकि परमेश्वर गलत नहीं हो सकता।

139 परन्तु यदि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आप क्या चाहती हैं, आपकी इच्छा क्या है, या—या आप यहां किसलिए हैं, आपने कुछ किया है, या कुछ भी, कुछ भी इस प्रकार का, या आप कौन हैं, आप कहाँ

से आयी है, या जो भी वह मुझे बताना चाहता है, आप विश्वास करेंगी? धन्यवाद।

140 एक बात, यह कि आपके पैरों में तकलीफ है। आपके पैर आपको परेशान करते हैं। यह ठीक बात है। अपना हाथ उठाये... आपको स्त्री रोग है, महिला वाली परेशानी। और आपके ह्रदय में एक बहुत ही बड़ी इच्छा है, क्योंकि आपने अभी किसी को या कुछ तो खो दिया है। यह एक लड़का है, और आपका बेटा घर छोड़ कर भाग गया है, और आप चाहती हैं कि मैं प्रार्थना करूं कि वह वापस आ जाए।

141 परमेश्वर स्वर्ग में है, उसका बच्चा उसके पास भेज दे, और चंगाई दे। पवित्र आत्मा उस नवयुवक को आज रात्रि रोके और उसकी मां के पास वापस भेज दे। यीशु के नाम में। आमीन।

142 वह जो जानता है, आपके पास वापस भेज देगा। चिंता ना करे। अब विश्वास करें, संदेह ना करें। अपने सम्पूर्ण ह्रदय से केवल विश्वास करे। आप विश्वास कीजिए, और बाकी सब परमेश्वर प्रदान करेगा।

143 अब, केवल उन तीन या चार विचारो की भावनाओं को परखना, यह जो कुछ भी था, देखा, मैं—मैं बस आगे बढ़ता चला गया जब तक की इसने मुझे अंधा ना कर दिया। मैं इसकी व्याख्या नहीं कर सकता, इसकी व्याख्या करने की कोई विधी नहीं है। आप कहते हैं, "आपका अर्थ है, यह उससे भी खराब था जो आपने वहां पैंतालीस मिनट तक प्रचार किया या और अधिक, आप सोचते हैं? " जी हां, श्रीमान। यदि यह तीन घंटो तक भी होता, तो भी यह उतना नहीं होता।

144 एक स्त्री ने हमारे प्रभु यीशु का कपड़ा छुआ था। और यह लोग मुझे छू नहीं रहे हैं। क्यों, यह महिला जो यहां है, जरा इधर देखिए, वह कर सकेगी... (अपने हाथ को मुझ पर रखे। देखा? ) महिला ने मुझे पूरी तरह से छुआ है, कुछ भी नहीं होगा, मैं केवल एक मनुष्य हूं। परन्तु इसे उसको छूना है। और मैं, एक दान के द्वारा, बस—बस... यह होता है, मैं स्वयं में अलग हट जाता हूं, और केवल वही कहता हूं जो मैं देखता हूं। समझे? और बस यही है। देखिए, मुझे छूने से कुछ नहीं होता, परन्तु यह मेरे द्वारा यीशु को छूती है। और इस प्रकार से इस महिला ने परमेश्वर को यीशु के द्वारा छुआ है, जब वह नहीं जानता था कि महिला के साथ क्या मामला है। उसने केवल उसका कपड़ा छुआ, और जाकर बैठ गई। और उसने

कहा—और उसने कहा, "मुझे किसने छुआ? "

145 और चेलो ने कहा, "क्यों, सब कोई तुझे छू रहा है। तू ऐसा क्यों कहता हैं? "

उसने कहा, "परन्तु मैंने अनुभव किया कि मुझ में से दिव्यगुण निकला है।"

146 अब, आप जानते हैं गुण क्या होता है? सामर्थ। वह एक महिला के छूने से दुर्बल हुआ, और वह परमेश्वर का पुत्र था। मेरे विषय में क्या है, एक पापी, जो उसके अनुग्रह से बचाया गया है? आप जानते हैं यह क्यों अधिक है? क्योंकि उसने कहा, "यह काम जो मैं करता हूं, तुम भी करोगे। तुम इससे भी अधिक करोगे, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूं।" "बढकर," वहां इस प्रकार कहा गया है, परन्तु सही यूनानी अनुवाद है, "जो मैं करता हूं तुम इससे अधिक करोगे।"

147 अब, इस महिला को मैं नहीं जानता। मैं उसके विषय में कुछ भी नहीं जानता। यह भी मेरे लिए ऐसी ही अपरिचित है जैसे और लोग थे। हम एक दूसरे से अपरिचित है। केवल इसलिए कि लोग जान सके, अपना हाथ उठा सकती हैं, और कहिए, "हम एक दूसरे को नही जानते हैं।" अब, परमेश्वर का पुत्र, यदि वह एक बार एक स्त्री से इस तरह के परिदृश्य में कुयें पर मिला, और उसने उससे बात की एक क्षण के लिए और वह जान गया कि उसकी परेशानी कहां थी, और उसने उसे बता दिया कि उसकी परेशानी थी। और इस प्रकार से वह जान गयी कि वह मसीहा था। अब यह—यह मैंने... आपने मुझे छुआ, मैंने आपको छुआ, और कुछ भी नहीं हुआ। परन्तु मेरा विश्वास (वरदान के द्वारा) और आपका विश्वास (इस पर विश्वास करने के द्वारा) उसे छू सकता है, और वह हमारे द्वारा बोल सकता है कि... मुझ में होकर आपसे, तब आप जान जाते हैं कि वह यहां ऐसे ही है जैसे सुखार के उस—उस कुएं पर था। समझे? वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। आप यह विश्वास करते हैं?

148 आपके पास बहुत सारी परेशानियां हैं, बहुत सी बीमारियां, और उलझने हैं! एक विशेष चीज जिसके लिए आप प्रार्थना करवाना चाहती हैं वह जोड़ो का दर्द है। यह ठीक बात है। यह सही है? आप इस वात के रोग से अकड़ती जा रही हैं। जब आप देखती हैं तो आप अपना हाथ उठाए...

149 और आप एक प्रकार से धीमे–धीमे चली, जहां तक मुझे याद है। थोड़ी देर एक मिनट के लिए रुके, हो सकता है कुछ और कहा जा सके, वह ले लेगा... या, आप जानती हैं, आप चीजे अनुभव करती हैं; लोग, आप लोग जानते हैं, जैसा कि श्वास इसके विरुद्ध आ रही है। वे कहते हैं, "क्यों, वह अनुमान लगाता है," या, आप जानते हैं, इस तरह से आदि–आदि।

150 परन्तु, आप सभ्य व्यक्ति लगते हैं, एक क्षण जरा मुझसे बात करें। हम थोडी देर के लिए यहां खड़े हो, क्योंकि मैं सोचता हूं कि आपके ह्रदय में कुछ और है जो कि आप परमेश्वर से चाहते हैं। अब, मैं आपकी प्रार्थनाओं का उत्तर नहीं दे सकता, परन्तु वह दे सकता है... क्योंकि, यदि आप इसका विश्वास करे, तो इसका उत्तर दिया जा चुका है। परंतु यदि आप विश्वास करना चाहते हैं; आपको विश्वास दिलाने के लिए। अब, मैं आपको बताता हूं, यह किसी प्रिय जन के लिए है जो यहां नहीं है, और वह भाई है, और वह इस देश में भी नहीं है। वह एक नमी वाले देश में है, बहुत सारी झीलें है। मैं कहना चाहूंगा जैसे मिशिगन में है या किसी... हां, मिशिगन है जहां पर वह है। और वह जान लेवा रोग से पीड़ित है, वह गुर्दे की बीमारी से इलाज नही हो सकता है वह उससे परेशान है। क्या यह ठीक बात नही है, है कि नही? यह **यहोवा यों कहता है** है। अब, वह रुमाल जो आपके हाथ में है, जिसे आपने परमेश्वर की ओर उठाया था, अपने भाई के पास भेज दे और उसे कहे कि संदेह ना करें, परन्तु विश्वास करें, और वह, उसे चंगा कर देगा अब यदि आप इसका विश्वास करें।

151 आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते है? तब देखिए, यदि आप विश्वास करती हैं, करने के लिए केवल एक ही चीज है, यह कि इसे पूरी तरह से स्वीकार करे। क्या यह ठीक है?

152 अब आप कहते हैं, "वह उसको देख रहा है, उन लोगो को। यही वह अब कर रहा है, उन लोगो की ओर देख रहा है।" आप यह बहुत देखते हैं!

153 परन्तु ताकि आप इसे ना जान सके... यह महिला जो यहाँ है, इधर से ऊपर आयी है, मरिज है, आप जो भी हैं। मैं उसकी ओर नहीं देख रहा हूं। क्या आप यह विश्वास करती हैं कि परमेश्वर मुझ पर प्रगट कर सकता है कि आपकी क्या परेशानी है? अपने हाथो को उठाये, यदि आप करते हैं, यहां यह महिला, यहां यह महिला, मरीज। जी हां। जी हां। तब यदि आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करती है, तो वह सांस याने दमें की बीमारी

आपको आगे परेशान नहीं करेगी। ठीक है, घर जाईए और इसका विश्वास कीजिए!... ? ...

154 विश्वास करे उस महिला की ओर ना देखे, देखा क्या? देखिए, वह... आप *इस* ओर देखे, दर्शन चल रहा है इससे कोई मतलब नहीं क्या होता है। आमीन! क्या आप नहीं देख सकते है? बिल्कुल सिद्ध रूप से जैसा परमेश्वर सिद्ध हो सकता है!

155 आप भी विश्वास करते हैं? दमा आपको भी छोड़ सकता है, क्या नहीं छोड़ सकता? आप विश्वास कीजिए यह छोड़ देगा? तो ठीक है, जाईए प्रभु यीशु को बताईए कि आप—आप उस पर विश्वास करते है।

156 एक दिन आपको एक—एक छड़ी साथ में लेनी पड़ती यदि यह जोड़ दर्द आपको अपाहिज बना देता, परन्तु अब यह नहीं करेगा। आप नहीं कर रहे है, आप इसे विश्वास नहीं कर रहे है, कर रहे है, क्या? आप विश्वास करते हैं कि आप ठीक होने वाले हैं? अपने मार्ग पर जाईये, यीशु मसीह आपको चंगा करता है।

157 ह्रदय रोग लोगों को मार डालता है, परन्तु यह आपको नहीं मारेगा। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपके लिए इसे चंगा करेगा, और आपको चंगा कर देगा? अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते जाईए, कहिए, "सच में मैं इसके लिए विश्वास करता हूं।"

158 आप अंग्रेजी बोलते हैं? आप अंग्रेजी समझते हैं? (कोई तो अनुवादक आए।) हां, ठीक है। क्या आप उसे बात बताएगे जो मैं उस महिला से कहूंगा? उसे बताएं यदि वह विश्वास करेगी, तो पेट का रोग उसे छोड़ देगा। वह—वह इसका विश्वास करेगी? आपकी पीठ का रोग भी आपको छोड़ देगा, इसलिए अब आप अपने मार्ग पर जा सकते हैं और चंगी हो जाए।

आप कैसी हैं? आप विश्वास करती हैं?

159 वह व्यक्ति कमर की बीमारी के साथ बैठा हुआ, मेरी ओर देख रहा है, जब मैंने यह कहा। वह भी चंगा हो सकता है, श्रीमान यदि आप इसका विश्वास करे, श्रीमान। ठीक है, श्रीमान।

160 वह महिला जो वहां आपके बगल में बैठी है, आपकी गर्दन में तकलीफ है, महिला है कि नहीं, महिला? आप यह विश्वास करती हैं कि परमेश्वर

आपको चंगा कर देगा? आप छोटे लड़के पर उसके घुटनों के लिए हाथ रखवाना चाहती हैं, और वह भी चंगा हो जाएगा। क्या आप इसका विश्वास करती हैं? आपको स्त्री रोग है महिलाओं वाली बीमारी, अब आपको नहीं है। आपके विश्वास ने आपको चंगा कर दिया और आपको स्वस्थ कर दिया।

161 क्या आप विश्वास करते हैं, यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है? तो फिर अपने हाथों को एक दूसरे पर रखें और इस विश्वास की प्रार्थना को करें, हम में से प्रत्येक, विश्वास की प्रार्थना करें।

162 प्रिय परमेश्वर, जबकी हम आपकी दिव्य उपस्थिति से घिरे हुए हैं, यह देखते हुए कि आप सभा में चल फिर रहे है, हर ओर बीमारों को चंगा कर रहे हैं। आप परमेश्वर है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इस समस्त सभा को चंगा कर देगे। ऐसा हो कि परमेश्वर का श्वास आपके ह्रदयो में ताजगी से आए, और वे जान सके कि समय बीत रहा है। हम थोड़ी ही देर के लिए यहां पर है, तब हम उसके साथ होगे जिसे हम प्रेम करते हैं। और होने दे कि अब उसकी उपस्थिति प्रत्येक के लिए चंगाई लाए।

163 हम शैतान को बेकार ठहराते हैं, हम उसके हर कार्यों को बेकार या दोषी ठहराते हैं। यीशु मसीह के नाम से, शैतान, लोगों में से बाहर निकल जा।

164 वे सब जो उस पर विश्वास करते, और आपनी चंगाई को ग्रहण करते है, अपने पैरों पर खड़े हो जाए, कहे कि, "अब मैं अपनी चंगाई को ग्रहण करने के लिए खड़ा होता हूं। मैं इसका विश्वास करता हूं।" आपनी स्थिति की परवाह ना करते हुए, यदि आप वास्तव में विश्वास करते हैं, तो खड़े हो जाएं। अब अपने हाथों को उठाये, और कहे, "प्रभु यीशु आपका धन्यवाद हो कि आपने मुझे चंगा किया।" परमेश्वर आपके साथ हो। आमीन।

65-0118 विरोध का बीज
वेस्टवार्ड हो होटल
फोनिक्स, एरिज़ोना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org